25/-₹

संयुक्तांक

हिन्दी साप्ताहिक

विश्वकर्मा किरण

वर्ष-20 अंक-2/3 जौनपुर 14-21 जनवरी, 2019 http://www.vishwakarmakiran.com

'भारत रत्न' के हकदार मूर्तिकार राम वी सुतार

लोकभवन में विश्वकर्मा समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात करते हुये मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ

https://www.facebook.com/VishKiranNews/ https://twitter.com/VishKiranNews https://www.linkedin.com/in/vishkirannews/

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की
हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश विश्वकर्मा
राष्ट्रीय महासचिव
मो0- 9415660042

अखिल भारतीय
विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा

राम आसरे विश्वकर्मा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
मो0- 9415608149

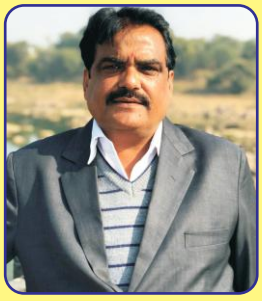

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की
हार्दिक शुभकामनाएं

राकेश विश्वकर्मा
प्रदेश महासचिव
मो0- 9415109193

अखिल भारतीय
विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा
उत्तर प्रदेश

अच्छेलाल विश्वकर्मा
प्रदेश अध्यक्ष
मो0- 9415397714

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

संजय विश्वकर्मा
उपाध्यक्ष
मो0- 9415027569

अरूण विश्वकर्मा
महामन्त्री
मो0- 9956291675

विश्वकर्मा पांचाल ब्राह्मण सभा, मकबूलगंज, लखनऊ

अखिलेश मोहन
अध्यक्ष
मो0- 9415015551

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की
हार्दिक शुभकामनाएं

होरीलाल शर्मा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
मो0- 9810320739

विश्वकर्मा विकास एवं सुरक्षा समिति

आशुतोष विश्वकर्मा
संस्थापक
मो0- 9911582931

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की
हार्दिक शुभकामनाएं

डा0 रश्मि शर्मा
ज्वाइंट सेक्रेटरी

न्यू स्टैण्डर्ड ग्रुप ऑफ स्कूल्स
रायबरेली, उ0प्र0

शशिकान्त शर्मा
प्रबन्धक/चेयरमैन
मो0- 9415034751

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

इं0 विजेश शर्मा
प्रदेश सचिव- सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ
रा0सचिव- अ0भा0वि0शि0 महासभा
मो0- 9897627217

शिवबली विश्वकर्मा
प्रदेश सचिव- सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ
मो0- 9415811726

आशुतोष विश्वकर्मा
प्रदेश अध्यक्ष- विश्वकर्मा ब्रिगेड
अ0भा0वि0 शिल्पकार महासभा
मो0- 9927500736

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

सुनील पांचाल
राष्ट्रीय सदस्य- चुनाव प्रबन्धन
भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा
मो0- 9811636528

मधुराज भाई विश्वकर्मा
जिला अध्यक्ष- भाजपा युवा मोर्चा, फतेहपुर
मो0- 9044337379

राजू पांचाल
जिला संयोजक
लघु उद्योग प्रकोष्ठ, भाजपा, गा0बाद
मो0- 9810594537

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

डा0 जगदीश विश्वकर्मा
जिला महासचिव
मो0- 9415653489

शिवकुमार विश्वकर्मा
जिला अध्यक्ष
विश्वकर्मा ब्रिगेड
मो0- 9919267196

सोचनराम विश्वकर्मा
जिला अध्यक्ष
मो0- 9935555720

अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा, जौनपुर

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

ट्रैक्टर से चलित धान कूटने की आटो मैटिक मशीन

गाँव - गाँव घर - घर जा कर करे कुटाई

हॉफ डाला साईक्लोन मॉडल

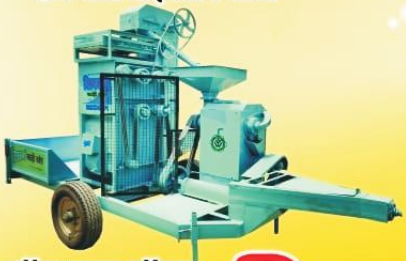

हॉफ डाला मॉडल

भूसी टैंक मॉडल

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त, खादी ग्रामोद्योग आयोग से प्रमाणित
यू.पी.एग्रो द्वारा मान्यता प्राप्त सर्वश्रेष्ठ उत्पादन, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड
व उद्योग विभाग द्वारा 25 से 35% तक अनुदान प्राप्त करें।

विश्वकर्मा फाउन्ड्री वर्क्स मो0 9415139283

एन.टी.पी.सी. रोड कश्मिरिया चौराहा, टाण्डा-अम्बेडकर नगर (उ०प्र०)

Shreya Associates
www.shreyaassociates.com

- डिजाइनिंग
- ड्राइंग (नक्शा)
- इस्टीमेट
- वैल्युवेशन

सभी सिविल कन्स्ट्रक्शन वर्क
एक्सटीरियर व इन्टीरियर डिजाइन के साथ
एडवाइजर एडवोकेट्स

श्रेया एसोसिएट्स
धावा स्टेट, निकट मटियारी, लखनऊ-226028
Call: 9628545000 Whatsapp: 7897060124
E-mail: info@shreyaassociates.com
shreyaassociates913@gmail.com

सुमन मोटर्स

TATA MOTORS

सेल एण्ड सर्विस

टाटा मोटर्स के नये कार्मशियल एवं पैसेंजर कार के लिए सम्पर्क करें।
काई भी पुराना वाहन लायें टाटा मोटर्स का नया वाहन घर ले जायें।

जनप्रतिनिधि एवं सरकारी कर्मचारी/अधिकारी एवं किसान व्यापारी अन्य समस्त लोगों को विशेष सुविधाएं
बीमा सुविधा, फाईनेन्स सुविधा (बैंक द्वारा/टाटा मोटर्स द्वारा/अन्य प्राईवेट फाइनेन्स) के लिए सम्पर्क करें।

सुमन मोटर्स – एन.एच.–24, कचूरा महोली, जनपद – सीतापुर (उ.प्र.)

मोब. 9415574025, 9454669657, 9839678555, 9838334430

R.N.I. No.- UPHIN/2000/01157
विश्वकर्मा किरण
हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका

वर्ष-20 अंक-2/3
जौनपुर, 14-21 जनवरी, 2019
पृष्ठः 32 मूल्यः 25/- रूपया

प्रेरक
रघबीर सिंह जांगड़ा
मो0: 9416332222
*****
सम्पादक
कमलेश प्रताप विश्वकर्मा
मो0: 9454619328
*****
सह सम्पादक
विजय कुमार विश्वकर्मा
मो0: 8763834009
*****
सह सम्पादक
धीरज विश्वकर्मा
मो0: 9795164872
*****
समन्वय सम्पादक
शिवलाल सुथार
मो0: 8424846141
*****
जौनपुर ब्यूरो
संजय विश्वकर्मा
मो0: 9415273179

-:सम्पर्क एवं प्रसार कार्यालयः-
डिजिटल प्वाइंट, कैपिटल बिल्डिंग
(भाजपा कार्यालय के सामने)
त्रिलोकनाथ रोड, हजरतगंज
लखनऊ। 226001

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कमलेश प्रताप विश्वकर्मा द्वारा अजन्ता प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, अहमद काम्प्लेक्स, गुईन रोड, अमीनाबाद, लखनऊ से मुद्रित एवं 98, नारायण निवास, नखास, सदर, जौनपुर से प्रकाशित।
सम्पादक- कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

website: www.vishwakarmakiran.com
E-mail: news@vishwakarmakiran.com

-:मुख्य संरक्षकः-
विश्वकर्मा जागरूकता मिशन

सम्पादकीय...

कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

भावना से बढ़कर कोई संगठन नहीं

जिसे देखिये वही संगठन की बात करता है। संगठन क्या है और इसके क्या मायने है? शायद ही इसका समुचित उत्तर मिल पाये। यदि उत्तर मिल भी गया तो वह सिर्फ शब्द तक ही सीमित है। संगठन बनाना कोई बड़ी बात नहीं है, संगठन तो आये दिन बन रहे हैं। परन्तु क्या संगठनकर्ताओं ने कभी सोचा कि उनके संगठन के प्रति लोगों का भावनात्मक लगाव है? यदि नहीं, तो फिर संगठन बनाने का कोई औचित्य नहीं।

पत्थर तो सिर्फ पत्थर होता है, पर पत्थर में भगवान हैं, यह हमारी भावना है। जब हमारे मन मष्तिस्क में यह भावना उमड़ती है कि पत्थर में भगवान हैं तो हम उसकी पूजा करते हैं। ठीक उसी तरह जब हमारी आस्था, हमारी भावना किसी संगठन से या समाज से जुड़ेगी तभी हम उसकी पूजा (कार्य) कर सकेंगे। भावना, तीन अक्षर का एक शब्द जरूर है पर इसका स्वरूप बहुत बड़ा है। हमारी भावना जहां जुड़ती है, हम वहीं भक्ति करते हैं। वह चाहे भगवान का मन्दिर हो या समाज का मन्दिर।

आये दिन समाज में नये-नये संगठन खड़े हो रहे हैं। क्या हमने कभी जानने की कोशिश की, ऐसा क्यों हो रहा है? जो लोग नया संगठन बना रहे हैं क्या उन्होंने अपने दिल पर हाथ रख खुद से पूछा कि पूर्व में वह जिस संगठन से जुड़े रहे, क्या उस संगठन के साथ उनकी भावना जुड़ी थी? यदि हां, तो नये संगठन की जरूरत क्यों? यदि कोई खामी रही तो उसे सुधारने की कोशिश हुई? सच्चाई तो यही है कि हम कहीं भी भावनात्मक रूप से नहीं जुड़ पाते हैं, यही कारण है कि अगले की भावना भी हमारे प्रति नगण्य रहती है। हम कितना भी संगठन बना लें पर जबतक लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव नहीं होगा तब तक सफलता सम्भव नहीं है।

भावना का ही दूसरा रूप आस्था है, इसे भक्ति भी कह सकते हैं। हम जिस तरह भक्तिभाव में बहकर पत्थर में बसे भगवान की पूजा करते हैं और विश्वास करते हैं कि भगवान कुछ अच्छा करेंगे। ठीक उसी तरह संगठन और समाज के प्रति भी आस्थावान होना पड़ेगा। संगठन, समाज में विश्वास पैदा करे और समाज संगठन के साथ भावनात्मक रूप से जुड़े तब जाकर दोनों की सार्थकता सिद्ध होगी। आज भी गांव के लोग संगठन का मतलब नहीं समझ पाते। इसमें गलती उनकी नहीं, गलती संगठनकर्ताओं की है जो उन्हें जोड़ने का प्रयास नहीं कर पाये। हमारे संगठन सिर्फ बैठकों व सम्मेलन तक सीमित रह गये हैं। गांव के लोगों को संगठन से जोड़ने, उनमें विश्वास पैदा करने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। जब लोगों के मन में विश्वास नहीं पैदा होगा तो लोग भावनात्मक रूप से नहीं जुड़ पायेंगे। और जब तक संगठन के साथ लोगों का भवनात्मक लगाव नहीं होगा तो संगठन पूर्ण नहीं होगा। ऐसे संगठन बनते-बिगड़ते रहेंगे और समाज विश्वास-अविश्वास की चक्की में पिसता रहेगा। मेरा संगठनकर्ताओं से यही अनुरोध है कि लोगों के मन में विश्वास पैदा कीजिये जिससे लोग भावनात्मक रूप से संगठन से जुड़ सकें।

कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

'भारत रत्न' के हकदार मूर्तिकार राम वी सुतार

विश्व के महानतम मूर्तिकार, पद्मश्री व पद्मभूषण से सम्मानित विश्वकर्मा पुत्र राम वी सुतार 'भारत रत्न' के हकदार हो गये हैं। भारत सरकार को चाहिये कि बिना किसी देरी के श्री सुतार को 'भारत रत्न' प्रदान कर दे। आज पूरे विश्व में राम वी सुतार के जोड़ का दूसरा मूर्तिकार नहीं है। देश ही नहीं अपितु विदेशों में भी अपनी मूर्ति कला का लोहा मनवा चुके राम वी सुतार ने विश्व की सबसे ऊंची सरदार पटेल की मूर्ति ''स्टेच्यू आफ यूनिटी'' बनाकर विश्व रिकार्ड बनाया है। गुजरात के केवडिया में स्थापित स्टेच्यू आफ यूनिटी प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का बहुत बड़ा सपना था जिसे राम वी सुतार ने अपनी कलाकृति से पूरा किया।

ऐसा नहीं कि राम वी सुतार ने सरदार पटेल की मूर्ति पहली बार बनाई है। उन्होंने सरदार पटेल की कई मूर्तियां बनाई है। स्टेच्यू आफ यूनिटी तो सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट का हिस्सा था। सरदार पटेल के अलावा, महात्मा गांधी, डा0 भीमराव आम्बेडकर सहित अनेकों महापुरूषों की मूर्तियों को आकार देकर स्थापित कराया है। श्री सुतार ने देश की आजादी में बलिदान होने वाले शहीदों की प्रतिमाओं का भी निर्माण किया है।

स्टेच्यू आफ यूनिटी के उद्घाटन अवसर पर राम वी सुतार का सम्मान गुजरात के मुख्यमन्त्री द्वारा किया गया। ठीक उसी समय मंच पर मौजूद प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने ताली बजाने के साथ ही झुककर श्री सुतार को प्रणाम

किया। प्रधानमन्त्री की मुद्रा वही, मानो कह रहे हों कि आप ही तो हैं जिसने मेरे सपने को साकार किया।

राम वी सुतार जीवन के 92 बसन्त पार कर चुके हैं परन्तु उनका जज्बा अभी पहले जैसा ही है। सरदार पटेल की सबसे ऊंची मूर्ति बनाने के बाद अब उन्हें अयोध्या में भगवान श्रीराम की 251 मीटर ऊंची मूर्ति बनाने का अवसर मिलने वाला है। श्रीराम की मूर्ति का प्रजेन्टेशन भी हो चुका है।

राम वी सुतार की कला के लिये 1999 में 'पद्मश्री' और 2016 में 'पद्म भूषण' पुरस्कार मिल चुका है। मौजूदा मोदी सरकार 2018 में ही उन्हें 'टैगोर अवार्ड' देने की घोषणा कर चुकी है। राम वी सुतार ने अपनी कला का जो प्रदर्शन देश और विदेश में किया है उसके लिये वह देश के सर्वोच्च रत्न यानी ''भारत रत्न'' के हकदार हैं। देश के लोगों को उस शुभ दिन की प्रतीक्षा है जब देश के रत्न के हाथ में ''भारत रत्न'' होगा।

मूर्तिकार राम वी सुतार अपने पुत्र मूर्तिकार अनिल सुतार के साथ

वर्ष 1999 में मिला 'पद्मश्री'

वर्ष 2016 में मिला 'पद्म भूषण'

केन्द्रीय राज्यमन्त्री अजय टमटा राम वी सुतार के घर पर साथ में वरिष्ठ पत्रकार दिनेश गौड़ व अनिल सुतार

केन्द्रीय गृहमन्त्री के पुत्र व नोयडा से विधायक पंकज सिंह राम वी सुतार के घर पर, साथ में अनिल सुतार व परिवार के अन्य सदस्य

यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने विश्वकर्मा समाज के प्रतिनिधियों से की मुलाकात

विश्वकर्मा समाज को आरा मशीन का लाइसेन्स दिये जाने हेतु मुख्यमन्त्री ने वनमन्त्री को दिया निर्देश

लखनऊ। विश्वकर्मा समाज को आरा मशीनों का लाइसेन्स प्राथमिकता के आधार पर प्रदान करने हेतु मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में विश्वकर्मा समाज के प्रतिनिधियों की उपस्थित में वन मन्त्री को स्पष्ट निर्देश दिया। मुख्यमन्त्री ने वनमन्त्री से कहा कि विश्वकर्मा समाज के लोग परम्परागत कारीगर हैं इन्हें आरा मशीनों का लाइसेन्स प्रदान करने के लिये जरूरत पड़े तो कैबिनेट में भी प्रस्ताव लाया जाय। आरा मशीनों के लाइसेन्स के लिये विश्वकर्मा समाज द्वारा समय–समय मांग की जाती रही है।

हाल ही में वन विभाग ने लाटरी सिस्टम के तहत आरा मशीनों का लाइसेन्स जारी किया है जिसमें पूरे प्रदेश में विश्वकर्मा समाज के मात्र 6 लोगों को लाइसेन्स मिला है। मुख्यमन्त्री ने इसकी जानकारी होने पर नाराजगी जताते हुये वनमन्त्री दारा सिंह चौहान को अपने कार्यालय में बुलाकर स्पष्ट निर्देश दिये कि जैसे भी हो विश्वकर्मा समाज के लोगों को सरलतम तरीके से आरा मशीनों का लाइसेन्स प्रदान किया जाय। मुख्यमन्त्री ने इस प्रकरण पर विश्वकर्मा समाज के प्रतिनिधियों के बीच ही वन मन्त्री को भी बुलाया था।

हालाकि इस मुद्दे पर डा0 कृष्णमुरारी विश्वकर्मा के नेतृत्व में समाज के लोग पहले भी मुख्यमन्त्री से मिल चुके हैं, परन्तु कोई निष्कर्ष नहीं निकला। एक बार फिर आश्वासन मिला है, देखना है कि कितना कारगर होता है।

मुख्यमन्त्री ने विश्वकर्मा समाज के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया है कि उनकी सभी समस्याओं के निराकरण के लिये सरकार कटिबद्ध है। इस मौके पर पूर्वमन्त्री डा0 कृष्णमुरारी विश्वकर्मा, अमित विश्वकर्मा, दिनेश कुमार शर्मा, संजय विश्वकर्मा, मनोज कुमार शर्मा, रमाकान्त विश्वकर्मा, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, राम कैलाश शर्मा, राजेश शर्मा, हंसराज विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

विक्रम मिस्त्री ने चीन में भारत के नये राजदूत के तौर पर पदभार संभाला

बीजिंग। चीन में भारत के नए राजदूत विक्रम मिस्त्री ने गत दिनों अपना पदभार संभाल लिया। चीनी विदेश मंत्रालय में प्रोटोकॉल उप महानिदेशक होंग ली को अपना परिचय पत्र सौंपने के बाद उन्होंने चीन के अधिकारियों के साथ बैठक भी की।

मंत्रालय में एशियाई मामलों के महानिदेशक वु जियांगहाओ से मुलाकात के दौरान मिस्त्री ने भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों पर अपने विचार साझा किए। वर्ष 1989 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आइएफएस) के अधिकारी मिस्त्री ने गौतम बंबावाले की जगह ली है।

बंबावाले गत नवम्बर में सेवानिवृत्त हो गए थे। मिस्त्री ने ऐसे वक्त पर राजदूत का पद संभाला है जब भारत और चीन 2017 में हुए डोकलाम विवाद को पीछे छोड़कर विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। मिस्त्री इससे पहले म्यांमार में भारत के राजदूत रह चुके हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ विदेश मंत्रालय में भी अलग-अलग पदों पर काम किया है। वह यूरोप, अफ्रीका, एशिया और उत्तरी अमेरिका सहित कई देशों में भारतीय दूतावासों में सेवाएं दे चुके हैं। श्रीनगर में जन्मे मिस्त्री ने अपनी स्कूली शिक्षा ग्वालियर से पूरी की थी। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से स्नातक और जमशेदपुर के एक्सएलआरआई कॉलेज से एमबीए की डिग्री ली थी। (साभार)

दानकिशोर विश्वकर्मा राष्ट्रीय संगठन सचिव मनोनीत

लखनऊ। विश्वकर्मा विकास एवं सुरक्षा समिति ने लखनऊ निवासी दानकिशोर विश्वकर्मा को राष्ट्रीय संगठन सचिव मनोनीत किया है। समिति के संस्थापक आचार्य आशुतोष विश्वकर्मा ने स्वयं लखनऊ पहुंचकर दानकिशोर विश्वकर्मा को मनोनयन पत्र सौंपा।

बता दें कि दानकिशोर विश्वकर्मा अभी हाल ही में हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड, लखनऊ से सेवानिवृत्त हुये हैं। उन्होंने एचएएल में सेवा के दौरान भी विश्वकर्मा समाज के विकास के लिये महत्वपूर्ण कदम उठाया। एचएएल में कार्यरत विश्वकर्मा वंशजों को एकजुट कर 'विश्वकर्मा समिति' की

स्थापना किया और प्रतिवर्ष विश्वकर्मा पूजा समारोह तथा होली मिलन समारोह का नियमित आयोजन शुरू किया। इसी से प्रभावित हो यह पद उन्हें सौंपा गया।

मनोनयन पत्र सौंपने के अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव रजनीश शर्मा मार्तण्ड, प्रदेश अध्यक्ष दीपक शर्मा, राजनारायण सर्वजन उत्थान सेवा संस्थान के चेयरमैन अरविन्द विश्वकर्मा तथा अभिनव विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

प्रयागराज कुम्भ में आकर्षण का केन्द्र बनी हरिश्चन्द्र विश्वकर्मा की 20 किलो लोहे की चाभी

प्रयागराज। अध्यात्म और आस्था को समेटे प्रयागराज का कुम्भ रहस्यमई बाबाओं के जमघट के लिए भी मशहूर है। यहां अजब गजब वेशभूषा व अपनी चमत्कारिक शक्तियों की वजह से पहचाने जाने वाले सैकड़ों बाबा आकर्षण का केंद्र बने हैं। उन्हीं बाबाओं में से एक बाबा हाथ में लोहे की 20 किलो चाबी के साथ घूमते हुए आपको संगम की रेती पर नजर आएंगे। इनके गले में, कमर पर या कहें कि शरीर पर हमेशा लोहे की चाभी मौजूद रहती है, जो सामान्य चाबी की तरह दिखती तो है, लेकिन इसका आकार व इसके पीछे छिपा आध्यात्मिक सार व दर्शन बेहद ही प्रभावशाली है।

पूरे देश में करते हैं पैदल यात्रा—

इन दिनों इन्होंने अपना डेरा कुम्भ में लगाया है और किसी न किसी मार्ग पर यह विचरण करते हुए आसानी से श्रद्धालुओं को दिखाई पड़ जाते हैं। यह पूरे देश में पैदल ही यात्राएं करते रहते हैं और नए युग की कल्पना को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं।

जानिए कौन हैं यह रहस्यमई चाभी वाले बाबा—

उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में लगभग 45 साल पहले हरिश्चन्द्र विश्वकर्मा का जन्म हुआ था। बचपन से ही आध्यात्मिकता में खासी रुचि थी, लेकिन घर वालों के डर से स्कूल जाकर पढ़ाई करते पर उम्र बढ़ने के साथ कबीरपंथी विचारधारा मन में तेज होती गई। कबीर के अंशावतार कहे जाने वाले हरिश्चन्द्र विश्वकर्मा ने समाज में व्याप्त बुराइयों और नफरत से लड़ने का फैसला कर लिया और मात्र 16 साल की उम्र में

घर से निकल गए। कुछ ही दिन में उन्हें लोग 'कबीरा बाबा' ही कहने लगे और वह हरिश्चन्द्र विश्वकर्मा 'कबीरा' के नाम से प्रचलित हो गये। जल्द ही आध्यात्मिकता में वह खुद को प्रवाहित करते गए और जीवन का अलग दर्शन गढ़ा। उसी दर्शन से ही एक चाभी की उन्होंने परिकल्पना की और फिर वह चाभी उनके जीवन का और उनके आध्यात्म ज्ञान का मूल बन गई।

क्या कहते हैं चाभी वाले बाबा—

अपने हाथ में 20 किलो की चाबी लेकर देश भर में पदयात्रा करने वाले हरिश्चन्द्र विश्वकर्मा कब 'कबीरा बाबा' से 'चाभी वाले बाबा' बन गए यह खुद उन्हें भी एहसास नहीं हुआ। बस अब तो अध्यात्म के अपने दर्शन की वजह से उनके पास बड़ी संख्या में उनके भक्त हैं। लखनऊ से दिल्ली हो या कन्याकुमारी उनका सफर अनवरत चलता है। अपनी यात्रा और आध्यात्म के बारे में चाभी वाले

कबीरा बाबा बताते हैं कि उन्होंने सत्य की खोज की है। लोगों के मन में बसे अहंकार का ताला वह अपनी इस चाभी से खोलते हैं। जो भी उनकी बात सुनते हैं, उनसे मन से अहंकार निकालते हैं।

बाबा को क्या है मलाल—

कबीरा बाबा स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श मानते हैं। उनका कहना है कि उन्हें थोड़ा सा मलाल जरूर होता है कि आध्यात्म की ओर पूरी दुनिया भाग तो रही है, लेकिन आध्यात्म कहीं बाहर नहीं है। अपनी चाभी को दिखाते हुए वह कहते हैं कि इस चाभी में आध्यात्म और जीवन का राज छिपा है, जिसे वह बताना चाहते हैं। लेकिन, इसके लिए किसी के पास समय नहीं है, कोई जानना नहीं चाहता है। अगर वह किसी को रोककर कुछ कहते हैं तो लोग यह कहकर मुंह फेर लेते हैं कि बाबा मेरे पास छुट्टे नहीं हैं। शायद लोगों को लगता है कि मैं रुपये मांग रहा हूं। समाज में व्याप्त झूठ, भ्रष्टाचार खत्म कर एक नए युग की कल्पना मैंने की है, उसके लिये अपना पूर्ण जीवन समर्पित कर चुका हूं।

फिलहाल कबीरा बाबा ने प्रयागराज कुम्भ में अपनी चाभी का एहसास लोगों को कराना शुरू कर दिया है।

स्वामी रामदेव को सौंप चुके हैं चाभी

योगगुरू स्वामी रामदेव जब दिल्ली के रामलीला मैदान में जनसभा कर रहे थे तो लाखों की भीड़ के बीच हरिश्चन्द्र विश्वकर्मा ह्यकबीराह्न उर्फ चाभी वाले बाबा भी मौजूद थे। उन्होंने मंच पर जाकर एक चाभी स्वामी रामदेव का भी सौंपी थी। स्वामी रामदेव ने कबीरा बाबा के पहल की काफी सराहना भी किया था।

बाबा के पास है चाभी का खजाना

चाभी वाले कबीरा बाबा के पास चाभी का खजाना है। यदि आप कभी लखनऊ स्थित उनके आश्रम, जिसे बाबा साधना केन्द्र कहते हैं, वहां जाइये तो आपको चाभी का खजाना मिल जायेगा। आश्रम पर बाबा के पास विभिन्न साइजों में तरह—तरह की चाभियां दिखेंगी।

संजय विश्वकर्मा ने कलेजे के टुकड़े का किया देहदान

समाज को दिखाया आइना

परिवार के लोगों ने माना कि जाने वाला लौटकर नहीं आता, ऐसे में उनका लाल शोध में रहेगा जिन्दा

लखनऊ। विश्वकर्मा पांचाल ब्राह्मण सभा, मकबूलगंज, लखनऊ के उपाध्यक्ष संजय विश्वकर्मा व उनकी पत्नी मनीषा ने अपने कलेजे के टुकड़े का मरणोपरान्त देहदान कर दिया। दम्पति ने यह सोचकर कि उनका लाल तो अब रहा नहीं, यदि उसके शरीर के अंग किसी के काम आ जायेंगे तो उनका बेटा मरकर भी जिन्दा रहेगा। महज पांच वर्ष के आयुष को काल के क्रूर हाथों ने छीन लिया। किसी भी माता-पिता के लिए इससे बड़ी कोई क्षति नहीं हो सकती कि उनकी गोद में खेलने वाला लाल उनसे दूर हो जाए। बावजूद इसके गमजदा विश्वकर्मा परिवार ने नन्हें आयुष के नेत्रदान व देहदान का फैसला लिया। केजीएमयू के एनॉटमी विभाग में पिता व परिवारीजन ने आयुष का देहदान व नेत्रदान किया। दरअसल परिवार की सोच थी कि उनके बेटे पर शोध किया जाए जिसका लाभ अन्य बच्चों को मिल सके।

आयुष जन्म से ही सेरेब्रल पॉलिसी नामक बीमारी से पीड़ित था। पिता संजय विश्वकर्मा के अनुसार आयुष के इलाज के लिए उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। एक बेटी के बाद आयुष व दूसरी बेटी का जन्म हुआ था। जुड़वा बच्चों में आयुष जन्म से ही सेरेब्रल पॉलिसी से पीड़ित था जबकि बेटी स्वस्थ थी। लालकुआं निवासी संजय बताते हैं कि आयुष को कुछ दिन से सर्दी-जुकाम

पांच वर्षीय मृतक आयुष

था। अचानक जकड़न बढ़ी तो निजी अस्पताल में भर्ती किया, रात में सोते-सोते आयुष की मृत्यु हो गई। परिवार के बीच सलाह हुई कि जन्म से सेरेब्रल पॉलिसी से पीड़ित आयुष का देहदान किया जाए जिससे चिकित्सक उस पर शोध कर सकें। इससे शायद भविष्य में इस रोग से पीड़ित बच्चों के इलाज में मदद मिल सके। देहदान के साथ उसका कार्निया भी दान कर दिया गया। संजय-मनीषा की गोद भले ही खाली हो गई हो लेकिन तसल्ली इस बात की है कि उनका लाल कम से कम शोध में तो जिंदा ही रहेगा।

संजय विश्वकर्मा व उनकी पत्नी द्वारा उठाया गया यह कदम कष्टकारी के साथ महान भी है। ऐसी विपरीति परिस्थिति में इस तरह का निर्णय लेना सभी के बस की बात नहीं है। इस परिवार द्वारा जो कदम उठाया गया वह जागरूकता के लिये भी अनुकरणीय है। सास्वत सत्य है कि जाने वाला कभी लौटकर नहीं आता। कहावत है कि इंसान, इंसान के काम आये वहीं इंसान है। संजय के परिवार ने इस कहावत को चरितार्थ करते हुये लोगों को जागरूकता का आईना भी दिखाया है।

मैं इस महान दम्पत्ति को दिल से नमन करता हूं और पुत्र आयुष की आत्मा की शान्ति के लिये ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

—कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

बेटे को खोने का गम तो संजय विश्वकर्मा को है ही, पर आत्मसन्तोष इस बात का है कि उनके बेटे ने मर कर भी किसी न किसी बालक को जिन्दगी दी है। उन्होंने बताया कि देहदान के बाद एनॉटमी विभाग बच्चे के शरीर से उपयोगी अंग निकालकर किसी जरूरतमंद बालक को प्रत्यारोपित कर दिया होगा। देहदान का मकसद भी यही होता है कि शरीर के काम कर रहे अंगों को किसी न किसी को प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। संजय ने बताया कि बेटे का देहदान करने की प्रेरणा उनके बहनोई अखिलेश मोहन से मिली। अखिलेश मोहन ने ही ऐसा करने के लिये उन्हें प्रेरित किया था।

मयंक विश्वकर्मा फिल्म सिटी सिने टीवी आर्टिस्ट एण्ड वर्कर्स एसोसिएशन मुम्बई के सदस्य चुने गये

लिटिल मोटिवेटर मयंक विश्वकर्मा कद में भले ही छोटे हैं, लेकिन अपने छोटे कद को कभी अपनी तरक्की के बीच आड़े नहीं आने दिया

मुम्बई। छत्तीसगढ़ में कोरबा जिले के बहुमुखी प्रतिभा के धनी महज 36 इंच कद के 32 वर्षीय मयंक विश्वकर्मा अपने बुलंद हौसले के दम पर फिल्म सिटी सिने टीवी आर्टिस्ट एण्ड वर्कर्स एसोसिएशन मुम्बई के सदस्य बन गए हैं। बता दें कि मयंक विश्वकर्मा ने बीए अर्थशास्त्र, कम्प्यूटर ऑनर्स डिप्लोमा में शिक्षा हासिल की है।

लिटिल मोटिवेटर मयंक विश्वकर्मा जमनीपाली निवासी नवरंग लाल विश्वकर्मा के सबसे छोटे बेटे हैं जो कद में भले ही छोटे हैं, लेकिन अपने छोटे कद को कभी अपनी तरक्की के बीच आड़े नहीं आने दिया। मयंक ने एनटीपीसी के डीपीएस इंग्लिश मीडियम स्कूल में 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की फिर बीए अर्थशास्त्र की पढ़ाई गवर्नमेंट पीजी कॉलेज से पूरा किया, साथ ही कंप्यूटर ऑनर्स डिप्लोमा की पढ़ाई की है। कोरबा एनटीपीसी में 3 साल डाटा इंट्री ऑपरेटर के रूप में सेवा दे चुके हैं। हालांकि बचपन में मयंक के स्कूल और कॉलेज के साथी उनकी हाइट को लेकर जरूर कमेंट करते थे, लेकिन कभी भी उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया। मयंक की हॉबी की बात करें, तो मयंक को कहानी, नाटक, कविता, पेंटिंग, सिंगिंग के साथ एक्टिंग में काफी रुचि है। यही कारण है कि फिल्म सिटी सिने टीवी आर्टिस्ट एंड वर्कर्स एसोसिएशन मुम्बई ने अधिकृत सदस्य नियुक्त करते हुए पहचान पत्र ए-1017 जारी किया है। इसके माध्यम से मयंक को एसोसिएशन की

ओर से आयोजित वर्कशॉप, फेस्टिवल्स, मनोरंजन शो, पुरस्कार समारोह, अवार्ड शो, विदाई समारोह और अन्य कार्यक्रमों में जाने का मौका मिलेगा। अभी मयंक छत्तीसगढ़ दिव्यांग प्रकोष्ठ के प्रांतीय अध्यक्ष हैं, साथ ही मयंक ने अपना एक यूट्यूब चैनल, वेबसाइट भी बनाया है। फेसबुक पेज में अपनी भावनाओं को व्यक्त कर वे लोगों के बीच लिटिल मोटिवेटर बन गए हैं। दिव्यांगों के उत्थान के लिए काम करते हुए राजनीति में भी सीट आरक्षित कराने के लिए अभियान चला रहे हैं।

मयंक के पिता नवरंग विश्वकर्मा के अनुसार, मयंक बचपन से ही होनहार रहा है। उन्होंने कहा कि आज उसे इस मुकाम पर देखकर वे बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई के दौरान मयंक ने ढेरों पुरस्कार हासिल किया है। अब मयंक फिल्म की दुनिया में नाम कामना चाहता है।

वहीं मयंक की मां का कहना है कि मयंक को जहां भी अपना हुनर दिखाने का मौका मिलता है, वो उसे करता है। इसी का नतीजा है कि आज उसे फिल्म सिटी सिने टीवी आर्टिस्ट एंड वर्कर्स एसोसिएशन मुम्बई का सदस्य चुना गया है, इससे उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है।

भाजपा सरकार में हो रहा विश्वकर्मा समाज का अपमान

मेरठ। भाजपा सरकार में लगातार विश्वकर्मा समाज का अपमान और उत्पीड़न हो रहा है। अब समाज पर अत्याचार और उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। समाज अन्याय के बिरुद्ध संघर्ष करे तभी सम्मान बचेगा। उक्त बातें अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्वमन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा ने जनपद मेरठ के कलावती इण्टर कालेज भोला रोड में महासभा द्वारा आयोजित विश्वकर्मा सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कही।

श्री विश्वकर्मा ने कहा भाजपा कि सरकार ने हमारे आराध्य देव भगवान विश्वकर्मा के पूजा दिवस के सार्वजनिक अवकाश को निरस्त कर उनका अपमान कर दिया। सपा सरकार में मुख्यमन्त्री अखिलेश यादव ने विश्वकर्मा पूजा दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित कर विश्वकर्मा समाज का सम्मान और पहचान बनाया था जिसे भाजपा सरकार मिटा रही है। जब तक विश्वकर्मा समाज के लोग राजनैतिक फैसले नहीं लेंगे और समाज के विधायक, सांसद और मन्त्री नहीं बनायेंगे तब तक न तो समाज मजबूत होगा और न ही समाज को भागीदारी मिलेगी। सपा सरकार में राम आसरे विश्वकर्मा को मन्त्री बनाकर सरकार में भागीदारी दी गयी थी। परिणाम स्वरूप विश्वकर्मा समाज के विकास के लिये नीतियां बनायी गयी। मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली, शाहजहांपुर, गोरखपुर, इलाहाबाद, आजमगढ़ सहित कई शहरों में विश्वकर्मा के सम्मान में विश्वकर्मा चौक, पार्क, पुस्तकालय, बारातगृह और रैनबसेरा बनाये गये। विश्वकर्मा समाज के लिये इण्टर और डिग्री कालेज खोले गये। विश्वकर्मा समाज के भूमिहीन लोगों को वर्कशाप और कुटीर उद्योग लगाने के लिये ग्रामसभा की जमीनों का पट्टा दिया गया।

श्री विश्वकर्मा ने समाज से अपील की वे एक नजर अपने कारोबार पर और एक नजर सरकार पर रखें और जो सरकार समाज के हितों के विपरीत काम करे उस सरकार को बदल देना चाहिये। उन्होंने कहा कि भाजपाराज में विश्वकर्मा समाज पर लगातार उत्पीड़न और अत्याचार हो रहा है। समाज के लोगों की हत्यायें, बलात्कार और उनकी जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं। न तो पुलिस कार्यवाही कर रही है और न भाजपा सरकार सुनवाई कर रही है। सपा सरकार में बात-बात पर आन्दोलन करने वाले विश्वकर्मा समाज के नेता भाजपा सरकार के विरोध में बोलने के लिये तैयार नहीं है। समाजवादी पार्टी की सरकार में हत्या होने पर सरकार तत्काल कार्यवाही करती थी और मुख्यमंत्री के कोष से उस परिवार की मदद भी होती थी।

श्री विश्वकर्मा ने कहा कि आपसी भेदभाव छोडकर सभी पांचाल, धीमान, जांगिड़, विश्वकर्मा एकजुट हों और समाज के अत्याचार और उत्पीड़न की लड़ाई खुद लड़ें तभी सम्मान बचेगा और लोग सुरक्षित होंगे। समाज अब अपना अधिकार अपनी हिस्सेदारी लेने के लिये सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष करने के लिये तैयार रहे।

श्री विश्वकर्मा ने विश्वास दिलाया कि हम विश्वकर्मा समाज के सम्मान और स्वाभिमान की लड़ाई में आपके कन्धे से कन्धा मिलाकर संघर्ष करेंगे। कहा कि यह सरकार पिछड़े वर्गों के आरक्षण को समाप्त करने की साजिश

कर रही है। अगर आरक्षण समाप्त हो गया तो पिछड़े वर्ग के किसी व्यक्ति को नौकरी नहीं मिलेगी। पहले विश्वकर्मा समाज अपने पुश्तैनी लोहे और लकड़ी के कारोबार पर गुजारा कर लेता था लेकिन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के आने के कारण उनका बाजार पर कब्जा हो गया और विश्वकर्मा समाज बेरोजगारी और भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है। विश्वकर्मा समाज परम्परागत कारीगर है। आज जरूरत है पुश्तैनी रोजगार को संरक्षित करने की। बिना संरक्षण के समाज की दशा में बदलाव सम्भव नहीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संजय पांचाल तथा संचालन महामन्त्री राजेन्द्र विश्वकर्मा ने किया।

सम्मेलन को पूर्व विधायक हाजी गुलाम मुहम्मद, राष्ट्रीय उ७पाध्यक्ष इं0 विजेश शर्मा, विश्वकर्मा ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष विश्वकर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष देशपाल पांचाल, मिन्टू पांचाल, एसपी सिंह विश्वकर्मा, ब्रिजेन्द विश्वकर्मा धीमान, राजबीर विश्वकर्मा, दिनेश धीमान, राम निवास शर्मा, एस0पी0 सिंह, आदित्य धीमान, रामपाल विश्वकर्मा, शेरपाल पांचाल, सुरेन्द्र कंण्डेरा, सोहनपाल विश्वकर्मा, सत्येन्द्र विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, डा0 राजपाल विश्वकर्मा, विकास पांचाल, बाबूराम विश्वकर्मा, नरेश आर्य, दिनेश केशरिया आदि ने सम्बोधित किया।

-शिव प्रकाश विश्वकर्मा

भाजपा सरकार पिछड़ा विरोधी

लखीमपुर। भाजपा सरकार में लगातार पिछड़ों व विश्वकर्मा समाज का उत्पीड़न हो रहा है। उक्त बातें अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्वमन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा ने जनपद लखीमपुर के पिपरिया में अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा द्वारा आयोजित विश्वकर्मा सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कही।

श्री विश्वकर्मा ने कहा कि सपा सरकार में विश्वकर्मा समाज के भूमिहीन लोगो को वर्कशाप और कुटीर उद्योग लगाने के लिये ग्रामसभा की जमीनों का पट्टा दिया गया। सपा सरकार में मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सरकारी नौकरियों में भर्ती हेतु इण्टर पास विश्वकर्मा समाज के लड़कों को आईटीआई का प्रमाणपत्र देने का शासनादेश जारी किया, केन्द्र सरकार ने उस पर रोक लगा दी।

श्री विश्वकर्मा ने समाज के लोगों से राजनीति में सक्रिय भागीदारी की अपील किया। श्री विश्वकर्मा ने कहा कि आपसी भेदभाव छोड़कर सभी विश्वकर्मा समाज के लोग एकजुट हों और समाज के अत्याचार और उत्पीड़न की लड़ाई खुद लड़ें तभी सम्मान बचेगा और लोग सुरक्षित होंगे।

कार्यक्रम का आयोजक अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के प्रदेश सचिव संतोष शर्मा तथा संचालन राजू ने किया। सम्मेलन को पूर्व विधायक उत्कर्ष वर्मा, सपा जिलाध्यक्ष मो0 कय्यूम खां, पूर्व ब्लाक प्रमुख वीरेन्द्र वर्मा, अशोक वर्मा, विश्वकर्मा ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष श्री राजेन्द्र शर्मा, विश्वकर्मा ब्रिगेड जनपद बहराईच के जिलाध्यक्ष दिवाकर प्रताप विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, राजू एडवोकेट, डा0 एस0डी0 अंसारी, रामसनेही विश्वकर्मा, छोटेलाल विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा, पतराखन विश्वकर्मा, नोखेलाल विश्वकर्मा, कन्हैया लाल विश्वकर्मा, सुशील शर्मा, विनयपाल शर्मा, मुकेश शर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, राहुल शर्मा सहित आदि लोगों ने सम्बोधित किया।

रेड ब्रिगेड चुनाव– राजेश विश्वकर्मा अध्यक्ष व राम आशीष विश्वकर्मा सचिव चुने गये

जौनपुर। श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट (रेड ब्रिगेड) जौनपुर का कार्यकाल पूर्ण होने पर नवीन कार्यकारिणी का चुनाव जिला कार्यालय शीतला चौकिया धाम पर हुआ। उक्त चुनाव में राजेश विश्वकर्मा ने अध्यक्ष पद व राम आशीष विश्वकर्मा ने सचिव पद के लिए नामांकन किया था। नियत तिथि तक अध्यक्ष व सचिव पद पर मात्र एक-एक आवेदन प्राप्त होने के कारण अध्यक्ष पद पर राजेश विश्वकर्मा व सचिव पद पर राम आशीष विश्वकर्मा को निर्विरोध चुना गया।

साथ ही अन्य पदाधिकारियों का चुनाव सर्व सम्मति से किया गया, जिसमें उपाध्यक्ष डॉ0 रविन्द्र प्रताप विश्वकर्मा, कोषाध्यक कृष्ण चंद्र विश्वकर्मा, सह सचिव पंकज विश्वकर्मा, सलाहकार डॉ0 पी0के0 संतोषी, प्रवक्ता शिव प्रकाश विश्वकर्मा, आय व्यय निरीक्षक मनोज विश्वकर्मा व ट्रस्टी भानु प्रकाश विश्वकर्मा, दिनेश चंद्र विश्वकर्मा, दिलीप विश्वकर्मा (पत्रकार), सुरेश विश्वकर्मा, राकेश विश्वकर्मा, दयाशंकर विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा (प्रधान), जय प्रकाश विश्वकर्मा, गामा विश्वकर्मा, दिलीप विश्वकर्मा, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा को चुना गया।

इस अवसर पर दीपक विश्वकर्मा, राहुल विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा, ऋतुकांत विश्वकर्मा, फूल चंद्र विश्वकर्मा, केतन विश्वकर्मा, बृजेश विश्वकर्मा, राजू विश्वकर्मा, राकेश विश्वकर्मा, दीपक विश्वकर्मा (पत्रकार), सुनील विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, शैलेन्द्र विश्वकर्मा, विपिन विश्वकर्मा, महेंद्र विश्वकर्मा, शुभम विश्वकर्मा सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

समाजजनों ने नवनिर्वाचित कमेटी को बधाई दी है।

राज्य स्तर आई0सी0टी0 अवार्ड से सम्मानित की गई शिक्षिका नीरव शर्मा

लखनऊ। सूचना एवं संचार तकनीकी का कक्षा शिक्षण में प्रभावी उपयोग करने वाले विभिन्न मण्डलों के 76 अध्यापकों को बेसिक शिक्षा निदेशालय, लखनऊ में बेसिक शिक्षा निदेशक सर्वेंद्र विक्रम बहादुर, सचिव रुबी सिंह, उप बेसिक शिक्षा निदेशक पवन सचान और सहायक शिक्षा निदेशक अब्दुल मुबीन द्वारा विद्यालय में स्मार्ट कक्षा संचालन हेतु आई0सी0टी0 राज्य पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया। गाजियाबाद से प्राथमिक विद्यालय बागरानप की सहायक अध्यापिका नीरव शर्मा को भी यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

नीरव शर्मा ने अपने विद्यालय में स्मार्ट कक्षा संचालन हेतु अपने स्वयं के स्तर से लैपटॉप, ब्लूटूथ, स्पीकर, कार्डलेस माइक, टैब आदि का प्रयोग करके शिक्षण को प्रभावी बनाया है। विद्यालय के बच्चों को भी दीक्षा एप और यू ट्यूब के द्वारा शिक्षण कार्य किया जाता है। कार्यक्रम में इनके द्वारा किये गए कार्यों की सराहना की गयी। इस गौरवपूर्ण पल को प्राप्त करने के लिये इनके परिवार और साथी शिक्षकों की अहम भूमिका रही है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी राजेश श्रीवास, खण्ड शिक्षा अधिकारी, लोनी करुणा शर्मा द्वारा उनकी सफलता पर बधाई दी गयी और उनके कार्य को सराहा गया।

संत श्री दुलाराम कुलरिया फाउण्डेशन ट्रस्ट की ओर से संचोर में निर्मित होने वाले छात्रावास के लिये 11 लाख रूपये का सहयोग देने की घोषणा की गई है। ब्रह्मलीन संत दुलाराम के सुपुत्रगण भंवर कुलरिया, नरसी कुलरिया और पूनम कुलरिया के इस कदम की काफी सराहना हो रही है। कुलरिया परिवार का नाम दानवीरों की श्रेणी में सबसे आगे है।

विश्वकर्मा समाज ने सामाजिक न्याय आक्रोश पदयात्रा निकाल कर सरकार को चेताया

चन्दौली। ऑल इंडिया यूनाइटेड विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के तत्वावधान में चन्दौली जिला मुख्यालय स्थित पंडित कमलापति त्रिपाठी चिकित्सालय से विश्वकर्मा समाज ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व में विशाल सामाजिक न्याय आक्रोश पद यात्रा निकाली जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुये। पदयात्रा में समाज के लोग अपने अधिकारों से सम्बन्धित विभिन्न नारे लगाते चल रहे थे। पदयात्रा मुख्य बाजार से होते हुए खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में स्थित शिव मंदिर प्रांगण में पहुंचकर सभा के रूप में परिवर्तित हो गया।

सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा सरकार इस समाज की घोर उपेक्षा कर रही है जिससे समाज के लोगों में उबाल है। उन्होंने बताया कि समाज के रोजगार, अधिकार और आर्थिक विकास से जुड़ी पांच दशक पुरानी लम्बित मांग— शिल्पकार विकास निगम की स्थापना तथा विश्वकर्मा पूजा पर्व के सार्वजनिक अवकाश को सरकार द्वारा अनदेखी कर उत्तर प्रदेश में 'माटी कला बोर्ड' का गठन किया गया जो पुश्तैनी और परम्परागत विश्वकर्मा शिल्पकारों के साथ भेदभाव तथा अन्याय है। उन्होंने कहा— भेदभाव नहीं आता है—निर्माण से मेरा नाता है। इस सिद्धांत को प्रतिपादित करते हुए विश्वकर्मा समाज के लोग सदियों से अपने शिल्प कला और कारीगरी से पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन करते आ रहे हैं। सरकार की उपेक्षा और शून्य भागीदारी के चलते समाज के लोग आर्थिक बदहाली के शिकार हैं। उन्होंने समाज की लम्बित मांगों— 5 हॉर्स पावर तक की आरा मशीनों का लाइसेंस मुक्त संचालन, 5 फीसदी पृथक आरक्षण, विश्वकर्मा पूजा पर्व का सार्वजनिक अवकाश की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए इसे शीघ्र पूरा करने की मांग की है।

कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष श्रीकांत विश्वकर्मा ने किया तथा अध्यक्षता दीनदयाल विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में प्रमुख रूप से डॉ0 प्रमोद कुमार विश्वकर्मा, भरत विश्वकर्मा, रामकिशुन विश्वकर्मा, अवधेश विश्वकर्मा, धर्मेन्द्र विश्वकर्मा, भोला विश्वकर्मा, रोशन विश्वकर्मा, अमित विश्वकर्मा, रामबली विश्वकर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, मुन्ना विश्वकर्मा, बजरंगी विश्वकर्मा, पतरु विश्वकर्मा, राधेश्याम विश्वकर्मा, बबन विश्वकर्मा, सियाराम विश्वकर्मा, अनामी विश्वकर्मा, पिंटू विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा सहित विश्वकर्मा समाज के लोग बड़ी संख्या में पदयात्रा में शामिल रहे।

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा ने मनाया 112वां स्थापना दिवस

मेरठ। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा का 112वां स्थापना दिवस समारोह बड़े ही उल्लास के साथ मेरठ बाईपास स्थित विश्वकर्मा वुड वर्क्स पर मनाया गया। समारोह का आयोजन अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की जिला सभा, जनपद मेरठ द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेशसभा उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ उपमंत्री एवं प्रदेश प्रवक्ता यशपाल जांगिड़ ने किया। जिला अध्यक्ष मेरठ ब्रह्मदत्त जांगिड़ (बिल्ले) व पदाधिकारियों द्वारा बहुत ही सफल आयोजन किया गया। समारोह में जिला मेरठ के अलावा बागपत, बड़ौत, गाजियाबाद, मोदीनगर, दौराला तथा पिलाना इत्यादि स्थानों से अनेकों पदाधिकारियों एवं जांगिड़ समाज के वरिष्ठ नागरिको ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के उपाध्यक्ष ब्रह्मदत्त जांगिड़ (गाजियाबाद) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुनील कुमार (जिला अध्यक्ष बागपत), धर्मपाल शर्मा (उपाध्यक्ष महासभा), मुकेश कुमार (उपाध्यक्ष महासभा), हरपाल शर्मा (उपाध्यक्ष महासभा), ध्यान सिंह (अध्यक्ष शाखासभा, मोदीनगर), सत्य प्रकाश (अध्यक्ष, ब्लॉकसभा, पिलाना), रामनिवास (मोदीनगर), ओम प्रकाश शर्मा (वरिष्ठ समाजसेवी एवं संरक्षक) तथा श्याम सिंह रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान विश्वकर्मा जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत जिला अध्यक्ष मेरठ ब्रह्मदत्त जांगिड़ (बिल्ले), महामंत्री महेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार, उपाध्यक्ष रमेश चंद शर्मा, राजेश्वर शर्मा, नरेंद्र फौजी, प्रदेश सभा संगठन मंत्री सचिन शर्मा ने किया। धर्मपाल शर्मा उपाध्यक्ष महासभा ने अपने उद्बोधन में महासभा के सभी जाने अनजाने संस्थापक सदस्यों एवं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया जिनके लगाए हुए महासभा रूपी विशाल वृक्ष की छांव में जांगिड ब्राह्मण समाज निरन्तर उन्नति की ओर अग्रसर है।

वक्ताओं ने समाज के उत्थान में जिन महानुभावों ने अपने जीवन को समर्पित किया उन सभी का आभार व्यक्त किया और उनके द्वारा बताये गए रास्ते पर चलकर समाज को निरंतर प्रगति की ओर ले जाने का संकल्प लिया। मुख्य रूप से वक्ताओं ने समाज को शिक्षित कर आत्मनिर्भर होने तथा औरों को भी रोजगार देने लायक बनने पर विशेष जोर दिया। वक्ताओं ने जांगिड़ ब्राह्मण समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए सदैव प्रयासरत रहने के लिए सभी से आग्रह किया। यशपाल जांगिड़ ने महासभा का सदस्य बनने के लिए ऑनलाइन सुविधा का लैपटॉप द्वारा प्रदर्शन किया तथा नये सदस्यों का पंजीकरण भी किया।

इस शुभावसर पर अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, जिला सभा, जनपद मेरठ की कार्यकारिणी का गठन भी किया गया तथा उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को समारोह अध्यक्ष ब्रह्मदत्त जांगिड़ ने शपथ ग्रहण कराया। सर्वसम्मति से संजय कुमार जांगिड़ को जिला मेरठ का युवा प्रकोष्ठ का मंत्री तथा राजेश्वर शर्मा को महानगर, मेरठ का अध्यक्ष घोषित किया गया। अंत में जिला अध्यक्ष मेरठ ब्रह्मदत्त जांगिड़ (बिल्ले) एवं मन्त्री जिला सभा, मेरठ महेंद्र सिंह जांगिड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया।

—यशपाल एस जांगिड़

श्रेया एसोसिएट्स

Shreya Associates

धावा स्टेट, निकट मटियारी, लखनऊ-226028

विश्वकर्मा समाज के प्रति व विश्वकर्मा समाज के लिये मेरे विचार

Founder & M.D.
Poonam Vishwakrma

एक समय था, जब लोग विश्वकर्मा वंशियों का मान-सम्मान करते थे और करें भी क्यों न भई हम विश्वकर्मा (सृष्टि रचयिता) के वंशज हैं। परन्तु आज तो ऐसा नहीं दिखता, हम पिछड़े हुये हैं, क्योंकि विश्वकर्मा समाज में अशिक्षा है, एकता नहीं है। बड़े ही दु:ख के साथ कहना पड़ता है, कि हमारे विश्वकर्मा समाज में लोग हाथ बढ़ाकर मदद करने के बजाय पैर पकड़कर खींचने का प्रयास करते हैं।

कभी आपसे किसी ने कहा है- तुम कितने लोग हो? हह! तुम क्या कर सकते हो? तुमसे जो हो सकता है, कर लो। देखते हैं कौन है तुम्हारे पीछे।

जब स्वाभिमान को ठेस पहुंचता है, मन घायल होता है, तो बहुत ग्लानि होती है ना।

कभी आपने खुद के प्रश्न किया है, कि हमारी वास्तविकता क्या है, हम सर्वश्रेष्ठ कैसे हैं? हम हैं कौन?

अब यदि आपको लगता है, कि आप अपने लिए, धर्म के अस्तित्व के लिए, विश्वकर्मा वंशियों के अस्तित्व के लिए कुछ कर सकते हैं तो आइए साथ मिलकर ललकार करें, प्रभु विश्वकर्मा की जय जयकार करें।

मैं पूनम विश्वकर्मा फाउण्डर ऑफ श्रेया एसोसिएट्स, मैं व्यवहारिक रूप से व अपने फर्म के माध्यम से रोजगार क्षेत्र में विश्वकर्मा समाज के लोगों को प्राथमिकता देती हूं। मेरा उद्देश्य विश्वकर्मा समाज को आगे बढ़ाना है, इसके लिए मैंने निरन्तर व तत्पर रूप से कार्य किया है, विश्वकर्मा समाज में जरुरतमंद की मदद भी किया व आगे भी करती रहूँगी।

विश्वकर्मा समाज के प्रति मेरे उद्देश्य की पूर्ति के लिए परिवार के रुप में सहयोगी/ भागीदार बनें, क्योंकि हम सब एक परिवार हैं।

यदि आपके धमनियों में प्रभु विश्वकर्मा का रक्त है तो एकता की शक्ति को पहचानिए, भेदभाव खत्म कीजिए, शिक्षित बनिए, समाज में विश्वकर्मा परिवारों से मेल जोल/परिचय/ पहचान बढ़ाइए, किसी विश्वकर्मा परिवार के दु:ख की घड़ी में अन्य विश्वकर्मा परिवारों व अपने स्वयं से जो मदद कर सकते हैं, कीजिए।

एक बात याद रखिये, आज आप विश्वकर्मा समाज/परिवार के लिए खड़े हैं, तो कल व अनन्त काल तक विश्वकर्मा समाज/परिवार आपके मदद के लिए खड़ा रहेगा। अत: अपने पांव पसारिये। अनेक विश्वकर्मा, संगठन अध्यक्ष, राजनेता, कार्यकर्ता, डॉक्टर, समाजसेवक, अधिकारी के रुप में विश्वकर्मा समाज को और बड़ा बनाने में प्रयासरत हैं, आप भी प्रयास कीजिए, आपका योगदान महत्वपूर्ण है।

आप विश्वकर्मा (सृष्टि रचयिता) के वंशज हैं, आप कुछ भी कर सकते हैं।

Poonam Vishwakarma

Founder & M.D.
Poonam Vishwakrma

shreyaassociates.com +91 9628545000 +91 7897060124 shreyaassociates913@gmail.com
facebook.com/shreyaassociateslko Shreya Associates linkedin.com/in/shreyaassociateslko

बनवाएँ अपने सपनों का घर

हमारे यहाँ सभी प्रकार के भवन के नक्शे एवं निर्माण का कार्य कुशल इंजीनियरों के देखरेख में कान्ट्रेक्ट बेस पर किया जाता है।

हमारी सेवाएं

- ★ डिजाइन, ड्राइंग (नक्शा), इस्टीमेट, वैल्युवेशन।
- ★ सभी सिविल कंस्ट्रक्शन वर्क एक्सटीरियर व इन्टीरियर डिजाइन के साथ।
- ★ एडवाइजर एडवोकेट्स
- ★ 600 वर्गफुट एरिया का ए.सी. हॉल पार्टी/मीटिंग एवं अन्य कार्यक्रम हेतु 24 घंटे उपलब्ध है।

एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

सम्पर्क करें

SHREYA ASSOCIATES

Plot No. 310, Dhawa State, Goyala, Chinhat, Lucknow-226028

E-mail : shreyaassociates913@gmail.com, Website : www.shreyaassociates.com

Mob. 9628545000, 7897060124

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा द्वारा नववर्ष अभिनन्दन समारोह आयोजित

मेरठ। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, जिलासभा मेरठ द्वारा 'नववर्ष अभिनन्दन समारोह' बड़े ही हर्ष और उल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेशसभा के वरिष्ठ उपमन्त्री एवं प्रदेश प्रवक्ता यशपाल जांगिड़ ने किया। जिलासभा के पदाधिकारियों द्वारा बहुत ही सफल आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम जांगिड़ रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी व महासभा के संरक्षक रघुवीर सिंह आर्य ने किया तथा संचालन प्रदेशसभा के वरिष्ठ उपमन्त्री एवं प्रदेश प्रवक्ता यशपाल जांगिड़ ने किया। विशिष्ट अतिथि के रुप में पूरण चंद आर्य (प्रदेश प्रभारी, उत्तर प्रदेश), ब्रह्मदत्त जांगिड़ (उपाध्यक्ष, महासभा), चन्द्रपाल भारद्वाज (महामंत्री, महासभा), आर0पी0 सिंह (प्रभारी, दिल्ली प्रदेश), देवीसिंह (ठेकेदार, समाजसेवी), सुनील कुमार (जिला अध्यक्ष बागपत), धर्मपाल शर्मा (उपाध्यक्ष, महासभा), मुकेश कुमार (उपाध्यक्ष, महासभा), हरपाल शर्मा (उपाध्यक्ष, महासभा), बिजेंद्र कुमार जांगिड (जिलासभा गाजियाबाद अध्यक्ष) ओमप्रकाश शर्मा (संरक्षक, प्रदेशसभा), सत्य प्रकाश (अध्यक्ष, ब्लॉकसभा, पिलाना) तथा रविदत्त प्रधान (उपाध्यक्ष, प्रदेशसभा) रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान श्री विश्वकर्मा जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ—साथ मुख्य रूप से वक्ताओं ने समाज को शिक्षित कर आत्मनिर्भर होने तथा औरों को भी रोजगार देने लायक बनने पर विशेष जोर दिया। चंद्रपाल भारद्वाज ने समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए सभी से आवाहन किया तथा नववर्ष में महासभा के उत्थान के लिए सभी से सहयोग के लिए आग्रह किया।

इस शुभ अवसर पर सभी उपस्थित अतिथियों को नववर्ष का कैलेंडर और स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। जिलाध्यक्ष ब्रह्मदत्त जांगिड़ (बिल्ले) ने सभी अतिथियों व आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

—यशपाल एस जांगिड़

बुआ-बबुआ के नाम एक ग्रामवासी का खुला पत्र

अरविन्द विश्वकर्मा

जब सामने अपना हो तो सब-कुछ सपना हो जाता है। उस समय कानून की मदद मांगने पर, उनके रिश्तेदार के एक फोन से सिस्टम को जी हुजूरी करते हुए भी देखा है।

बहना व भैया, सादर प्रणाम! मैं एक छोटे से गांव का भारतवासी हूं, भेदभाव और प्रताड़ना को नजदीक से देखा हूं। ऊंच-नीच जातीय भेदभाव और ठकुर-सुहाती भी देखा है। उनकी हमदर्दी व सहयोग का भी भागीदार रहा हूं किन्तु.....

जब सामने अपना हो तो सब-कुछ सपना हो जाता है। उस समय कानून की मदद मांगने पर, उनके रिश्तेदार के एक फोन से सिस्टम को जी हुजूरी करते हुए भी देखा है। वह फोन वाला रिश्तेदार और कोई नहीं, वही आपकी पार्टी के सांसद व विधायक या उनके यहां लम्बरदारी करने वाले उनके चंगू-मंगू होते थे। वे लोग उसी वर्ग से आते हैं जोकि न्याय कैसे भी हो, मेरे पक्ष में हो, यही मानते हैं।

लोग कहते हैं कि समाजवादी पार्टी पिछड़े वर्गों की पार्टी है, किन्तु सबसे ज्यादा टिकट जनरल व मुस्लिमों को ही देती है। पिछड़े वर्गों को सिर्फ सांत्वना का लॉलीपॉप थमा देती है। जोकि विषम परिस्थितियों में अपनों के होते हैं ना कि हम लोगों के। भैया सिर्फ एक बात आपमें देखा है कि कभी-कभी उनको भी टिकट दे दिया है जो कि चाय व सिगरेट मांग-मांग कर पीते थे। बहुत अच्छा लगा, पर यह सबकुछ मेट्रो, रोड व स्टेडियम के बाद भी हार गए! तो इसीलिए कि सुनने वाला कोई नहीं था।

सुना है कि बहन जी तो पैसा लेकर टिकट देती हैं, यानी हमारे वोट को बेंच लेती हैं। और कहती हैं कि हम वहां पर बैठ करके इन सभी को आपके लिए काम करने को बाध्य कर दूंगी। लेकिन वह अन्तिम वाला शासन (2007 से 12) आंख पर पर्दा डाल खूब तांडव मचाए थे कुछ लोग। कुछ नहीं संभाल पाई, सब अपने-अपने मन के मालिक थे उस समय। वह लूट-खसोट कि मत पूछिए, तो कैसे करें उन अंकुश लगाने वाली बातों पर विश्वास। कहते हैं कि बहन जी की पार्टी दलित की मदद वाली पार्टी है। लेकिन वह समय कैसे भूल जाएं, जब आमजन थाने व कचेहरी में दौड़ रहे थे और मदद के नाम पर सिर्फ गाली ही पाते थे। 'एक कहावत पुरखे कहन है कि जब सब पंच ओनहिन के हुएं तो पंचायत उन्हेंन के अंगनवा में अच्छी लागै।'

अब पढ़ लिख कर सब बच्चों ने बताया है कि यह सब गठबंधन आधे से ज्यादा वोट के लालच में हुआ है, तो एक बात दोनों लोग जान लीजिए कि काम के लिए यही हमारे विधायक व सांसद फोन करते हैं आप लोग नहीं। तो, एक बात यह कहना चाहूंगा कि जिस पार्टी में हम लोगों के जानने वाले अपने लोगों को टिकट मिलेगा उसी ओर जाना चाहूंगा, नहीं तो उन लम्बरदार के जानने वाले के साथ जो समय-समय पर हम लोगों की मदद के लिए तत्पर रहते हैं। उनके पहचान वाले नेता की मदद की जाएगी।

अब उल्लू न बनब कि वोट हमार मजा और केहू मारे..

जय राम जी की !!

अरविन्द कुमार विश्वकर्मा
राष्ट्रीय चिन्तक एवं सामाजिक
कार्यकर्ता, लखनऊ

विश्वकर्मा समिति ने 'एक शाम-समाज के नाम' का किया आयोजन, हुआ पत्रिका का विमोचन

मुम्बई। मुम्बई महानगर की सबसे बड़ी संस्था विश्वकर्मा समिति ने जुहू के इस्कान आडिटोरियम में 'एक शाम-समाज के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में समिति की तरफ से एक पत्रिका भी प्रकाशित की गई, जिसका अतिथियों ने विमोचन किया।

समिति के अध्यक्ष धनराज शर्मा ने सभी समाज बन्धुओं के प्रति आभार प्रकट करते हुये कहा कि समाज की एकजुटता ही समाज को विकास के रास्ते पर ले जायेगी। कार्याध्यक्ष सुनील राणा ने कहा कि समाज को नई दिशा देने के लिये युवाओं को आगे आना पड़ेगा। समाज के युवा ही समाज को दिशा प्रदान कर सकते हैं।

समिति समय-समय पर इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करती रहती है और सामाजिक विकास के लिये तत्पर रहती है। समिति की तरफ से मेधावी छात्रों के लिये शुरू की गई छात्रवृत्ति योजना की भी जानकारी दी गई। यह छात्रवृत्ति 'कल्पतरू डोर' द्वारा विश्वकर्मा समाज के विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष प्रदान किया जायेगा।

अन्य वक्ताओं ने भी विश्वकर्मा समाज के शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक विकास पर प्रकाश डालते हुये एकजुअता की अपील किया।

इस अवसर पर समिति के राम नरेश विश्वकर्मा, पत्रकार राकेश विश्वकर्मा, भाजपा नेता महेन्द्र विश्वकर्मा लखनऊ, दिनेश भाई शर्मा, अनिल

विश्वकर्मा एडवोकेट, भरत भगवती विश्वकर्मा, प्रेमचन्द विश्वकर्मा, अनिल एस0 विश्वकर्मा, परविन्दर विश्वकर्मा, मेवालाल विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा, लक्ष्मीचन्द विश्वकर्मा, मदन शर्मा, रमेश सी0वी0, सूर्यकान्त विश्वकर्मा, राधेश्याम विश्वकर्मा, रमेश विश्वकर्मा, चन्द्रबली विश्वकर्मा, लालचन्द विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रयोजक कल्पतरू डोर एण्ड प्लाई थे।

मंच का संचालन बाबूलाल विश्वकर्मा ने किया। सभी अतिथियों का सम्मान भी किया गया।

गंगासागर तीर्थयात्रियों के लिये विश्वकर्मा हस्तकला संघ ने लगाया शिविर

कोलकाता। विश्वकर्मा हस्तकला संघ ने गंगासागर आने वाले तीर्थयात्रियों के लिये सेवाएं शुरू की। विगत दिनों वरिष्ठ समाजसेवी व भारतीय विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष अच्छेलाल शर्मा ने संघ के शिविर का विधिवत उद्घाटन किया। तीर्थयात्रियों की सेवा के लिये बहुत सी संस्थाओं ने शिविर लगाया था, परन्तु विश्वकर्मा हस्तकला संघ के शिविर का कुछ और ही महत्व रहा।

समाजसेवी अच्छेलाल शर्मा ने विश्वकर्मा हस्तकला संघ के शिविर का उद्घाटन करने के साथ ही संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा किये जा रहे सेवाभाव की खूब सराहना किया। उन्होंने संघ के पदाधिकारियों से और बढ़चढ़कर भाग लेने को कहा।

शिविर उद्घाटन के अवसर पर बृजमोहन शर्मा, प्रभुनाथ शर्मा, जीतन शर्मा, बुलबुल शर्मा, बंस बिहारी शर्मा, लक्ष्मण शर्मा, अशोक शर्मा, देवानन्द शर्मा, दिनेश शर्मा, ब्रह्मदेव शर्मा, महेन्द्र शर्मा व अनिल शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे। शिविर में निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा, जलपान, भोजन तथा ठहरने की व्यवस्था की गई थी।

विश्वकर्मा हस्तकला संघ ने 16 जनवरी तक शिविर चलाकर तीर्थयात्रियों की सेवा किया। इस दौरान संघ के पदाधिकारीगण व सदस्यगण तन-मन से लगे रहे। संघ के सेवाभाव की काफी सराहना की गई।

श्री विश्वकर्मा जांगिड़ पंचायत, जोधपुर द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन व आशिर्वाद सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कई जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। समारोह के दौरान मंच पर उपस्थित अतिथिगण।

विकास मंत्र

काश समाज के निश्चित विकास के लिए लोग व संगठन इसपर अमल करते

अरविन्द विश्वकर्मा

आओ कुछ लक्ष्य बनाएं, कुछ काम करें। समाज को लोकतन्त्र में भी सर्वश्रेष्ठ बनाएं। सामाजिक संगठनों को मिलकर समाज के विकास के लिए सम्बन्धित राज्यों के विधानसभा चुनाव या लोकसभा चुनाव के पूर्व बहुत बड़ी रैली करते हुए अपनी ताकत का एहसास कराना होगा। ऐसी ताकत का एहसास कराने के लिए दलगत व संस्था की भावना का त्याग करते हुए एक मंच पर आकर सभी को मिलकर एक स्वस्थ चेतावनी देना होगा कि हम सभी एक और संगठित हैं, ताकि समाज के नेताओं को उनके दलों में सम्मान मिल सके।

गरीबी रेखा व अन्य स्थितियों, परिस्थितियों के अनुसार समाज के लोगों को चिन्हित करते हुए उन्हें उस वर्ग में सम्मिलित कराना ताकि सम्बन्धित सरकारी योजना समाज के अधिकतर पात्रों को मिल सके और यह सुनिश्चित कराना ही होगा। जैसे प्रधानमन्त्री आवास समाज के अधिकतर लोग पा सकें। सभी छात्रों को सम्बन्धित स्कूलों से स्कॉलरशिप मिले, यह सुनिश्चित कराना होगा। विकलांग, वृद्धा, विधवावस्था की पेंशन पात्रों को मिले यह भी सुनिश्चित कराना होगा। इसी के साथ मुख्य उद्देश्य कि केन्द्र व राज्य सरकार की सभी योजनाओं से समाज के लोगों को किसी भी कीमत पर लाभान्वित कराया जा सके ऐसी नीति निर्धारण आवश्यक है।

घर-घर जाकर सभी लोगों का डाटा एकत्रित करना, जिससे कि शादी योग्य वर व कन्या की वास्तविक जानकारी हो सके और उनका विवाह एक उम्र तक निश्चित ही भागीदारी निभाकर कराई जा सके। अद्वितीय प्रतिभा के धनी युवाओं को अंतर उपजातीय विवाह के लिए प्रेरित करना होगा। स्कूलिंग के छात्रों का अलग से डाटा तैयार करना, ताकि सभी बच्चों को उचित व उनकी योग्यता के अनुसार शिक्षा प्राप्त हो सके, यह सुनिश्चित करना होगा। एक ऐसे संस्थान की स्थापना के लिए प्रयास करना होगा जो कि विश्वकर्मा वंशियों को अतिरिक्त कोचिंग मुहैया कराकर किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफल कराने में सक्षम हो।

प्रत्येक प्रदेश के प्रत्येक जिले से कम-से-कम 50 लोगों का एक स्वयंसेवक दल बनाया जाना चाहिए जो विषम परिस्थितियों में प्रत्येक विश्वकर्मा वंशी परिवारों की तत्काल मदद को उपलब्ध हो।

भगवान विश्वकर्मा से सम्बन्धित, संगठन की ओर से क्षेत्र के समस्त विश्वकर्मा वंशी परिवारों को एक फोटो उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि धार्मिकता का प्रचार-प्रसार हो सके और भगवान विश्वकर्मा पर आधारित एक टीवी धारावाहिक की शुरूआत नितांत आवश्यक है।

अंत में विश्वकर्मा वंशियों के लिए सर्वाधिक खुशी की बात यह है कि हम प्रत्येक गांव में हैं। क्यों ही ना हमारी संख्या किसी विशेष गांव में एक परिवार ही हो। उन सबको इस तरह से क्रमबद्ध प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वह गांव में सबके चहेते बन सकें और समाज का व्यक्ति उस गाँव या क्षेत्र में सभी का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता वाला हो सके, ताकि भविष्य में प्रत्येक विश्वकर्मा वंशी जन्मजात ही राजनैतिक रूप से भी सत्ता के नजदीक हो सके।

-अरविन्द विश्वकर्मा, लखनऊ
वरिष्ठ समाजसेवी
मो0- 9451151234

Raebareli Road, Utrethiya, Lucknow
Bhavya Decor
Interior's HUB
MODULAR KITCHEN & WARDROBE'S
E-mail: bhavyadecor@yahoo.com , www.bhavyadecor.com
90445 00999

सुलतानपुर के जिला विकास अधिकारी डा0 डी0आर0 विश्वकर्मा ने दिया प्रशिक्षण

जिला विकास अधिकारी ने सोशल आडिट टीमों के प्रशिक्षण का शुभारम्भ

सुलतानपुर। सोशल आडिट निदेशालय के निर्देशानुसार जिला ग्राम्य विकास संस्थान दूबेपुर (सुलतानपुर) में 04 विकास खण्डों-दूबेपुर, करौंदीकला, कुड़वार एवं मोतिगरपुर के कुल 72 सोशल आडिट सदस्यों की 03 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन जिला विकास अधिकारी डॉ0 डी0आर0 विश्वकर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शुभारम्भ अवसर पर जिला विकास अधिकारी ने प्रतिभागियों के मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना इत्यादि कार्यक्रमों की सोशल आडिट सफलता पूर्वक किये जाने के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी।

जिला विकास अधिकारी श्री विश्वकर्मा ने अपने सम्बोधन में प्राचार्य अशोक कुमार दूबे को प्रशिक्षणार्थियों को

डॉ0 डी0आर0 विश्वकर्मा

सही ढ़ंग से प्रशिक्षण देकर उनका दक्षता, संर्वधन करने का बाखूबी आवाहन किया।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नि:शुल्क आवासीय सुविधा, साहित्य एवं लेखन सामग्री प्रदान किया जायेगा साथ ही यात्रा व्यय के लिए रू0-160/- तथा 03 दिन का पाकेट एलाउन्स के रूप में रू0 525/- इस प्रकार कुल 685/-रू0 सम्बन्धित प्रशिक्षणार्थियों के खाते भेजा जाएगा।

इस अवसर पर डॉ0 डी0आर0 विश्वकर्मा ने सभी अभ्यागतों का हार्दिक अभिवादन करते हुए विभिन्न प्रकार से आडिट करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी ग्राम्य में अभिलेख सोशल आडिट हेतु न मिले तो सीधे उनके कार्यालय से उपलब्ध कराकर आडिट की जायेगी। प्रशिक्षणार्थी जब आडिट करने जायें तो बिना डर पारदर्शी तरीके से आडिट करें। इनमें सभी की सुरक्षा जिला प्रशासन करने के लिए बाध्य है।

विश्वकर्मा समाज का पारिवारिक मिलन सह वनभोज समारोह सम्पन्न

जमशेदपुर। विश्वकर्मा समाज का पारिवारिक मिलन सह वनभोज समारोह, छात्रवृति वितरण समारोह एवं सम्मान समारोह सूर्य मन्दिर परिसर में बिरसा मुण्डा सभागार के बगल के मैदान में दिनांक 6 जनवरी 2019 को सबेरे 9 बजे से 4 बजे तक बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

इस समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा के अध्यक्ष छेदीलाल शर्मा एवं विशिष्ठ अतिथि अवधेश कुमार विश्वकर्मा, लक्ष्मी निधि समाजसेवी, बिहार प्रदेश कांग्रेस के सचिव एवं समाजसेवी मिथिलेश शर्मा मधुकर, प्रो0 आर0एन0 शर्मा, झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष विक्रान्त विश्वकर्मा, रॉची से सत्यनारायण शर्मा रहे।

वक्ताओं ने समाज को शिक्षित एवं संगठित होकर अपने सामाजिक एवं राजनैतिक अधिकारों की लड़ाई लड़ने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि आजादी के सात दशक बाद भी इस समाज की दशा दयनीय है। अबतक की सरकारें इनके साथ इन्साफ नहीं कर पायी हैं। इनकी हक मारी होती रही है। जब तक हम अपने चट्टानी एकता का परिचय नहीं देंगे तब तक समाज की दशा सुधरने वाली नहीं है। उच्च शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा ऐसी चाभी है, जिससे सभी समस्याओं के ताले खुलते हैं।

पारिवारिक मिलन सह वनभोज समारोह में करीब सात हजार के संख्या में सदस्यों ने अपने परिवार के साथ शिरकत किया एवं लजिज व्यंजनो का आनन्द लिया। छात्रवृत्ति समारोह में 221 मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृति प्रदान की गयी। छात्रवृति की राशि का अधिकांश हिस्सा समाज के सदस्यों द्वारा दिया गया।

सम्मान समारोह में समाज के 98 बुजुर्ग सदस्यों को जिन्होंने समाज के निर्माण मे नीव के पत्थर का काम किया है को चादर ओढ़ाकर एवं गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका मन इतना प्रफुलित हुआ, जो वर्णन योग्य नही है।

समाज के सभी सोलहों क्षेत्र के अध्यक्ष, महासचिव एवं कर्मठ

प्रतिभाओं के साथ ही बड़े बुजुर्गों का भी हुआ सम्मान

कार्यकर्ताओं को माला पहनाकर, विशिष्ठता प्रमाण पत्र एवं बैग देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका मनोवल बढ़ा। समारोह को सफल बनाने में मुख्य रूप से सर्वश्री रमेश शर्मा सोनारी, प्रदीप शर्मा, राम सेवक शर्मा, राजेन्द्र प्र0 विश्वकर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, राज कुमार शर्मा, बच्चा बाबू, राज किशोर शर्मा, लखण विश्वकर्मा, अजीत शर्मा, प्रकाश विश्वकर्मा, राम विलास शर्मा, गणेश प्र0 शर्मा, भारतेन्दु शर्मा, शिव कुमार शर्मा, भुनेश्वर शर्मा का योगदान अहम रहा।

इस अवसर पर जमशेदपुर विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष अरूण कुमार ठाकुर ने आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि 80 वर्षो से हम समाज के सर्वांगीण विकास के लिए निरन्तर काम करते रहे हैं और भविष्य में भी करते रहेंगे। जमशेदपुर का विश्वकर्मा समाज हमेशा एकजुट रहा है और भविष्य में भी एकजुट ही रहेगा।

अमर हुतात्मा स्वामी भीष्म जी

(स्मृति दिवस 8 जनवरी, 2019 के अवसर पर विशेष प्रस्तुति)

प्रस्तुतिः-

इं0 विजेश कुमार शर्मा

मो0: 9897627217

स्वामी भीष्म जी महाराज की गणना आधुनिक भारत के निमार्ताओं में की जाती है। इस महान सन्यासी ने राष्ट्रीय पुनरुत्थान तथा सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक पुनर्जागरण में अद्वितीय योगदान दिया है। 7 मार्च, 1859 को हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में स्थित त्योड़ा नामक गांव के एक पांचाल ब्राह्मण (विश्वकर्मा) परिवार में स्वामी भीष्म जी का जन्म हुआ था। इनके बचपन का नाम लाल सिंह था परन्तु बाद में यह पूरे विश्व मे स्वामी भीष्म जी के नाम से विख्यात हुए। स्वामी जी के पिता का नाम बारूराम तथा माता का नाम पार्वती देवी था। पिता कट्टर शिव भक्त थे।

माता निर्माता भवति के वाक्य को माता पार्वती देवी ने चरितार्थ किया। मां पार्वती, एक विनम्र, सुशील तथा धार्मिक विचारों की आदर्श भारतीय महिला थी। मानवता और सद्भावना का गुण उनमें कूट-कूट कर भरा हुआ था। इनकी माता उन्हें हृष्टपुष्ट पहलवान और आजीवन ब्रह्मचारी रहने वाला सन्यासी बनाना चाहती थी। माता के त्यागपूर्ण अथक प्रयास व उनके प्रभाव के कारण ही स्वामी जी देश के एक विख्यात क्रान्तिकारी राष्ट्रभक्त सन्यासी बने।

बच्चों में प्रायः जो आदतें होती हैं, जैसे कुश्ती लड़ना, कबड्डी खेलना, दौड़ना, व्यायाम करना, भजन गाना आदि ये सब स्वामी भीष्म जी में भी थी। संगीत, व्यायाम और कुश्ती में स्वामी जी की विशेष रुचि थी। वेदादि शास्त्रों में लिखा है माता ही मनुष्य की पहली गुरु होती है। स्वामी जी को अक्षर ज्ञान आदि प्राथमिक शिक्षा घर पर ही उनकी माता ने दी, साथ ही मां नियम से विभिन्न प्रकार का व्यायाम भी करवाती थी। पश्चात स्वामी जी ने हरिद्वार की साधु पाठशाला में भी शिक्षा प्राप्त की। तदन्तर उन्होंने वेदान्त के अनेक ग्रन्थों का अध्यन किया और साथ ही गाने बजाने का भी अभ्यास किया। ग्यारह वर्ष की आयु में इन्होंने पहला भजन स्वयं बनाकर करनाल की एक सभा मे गाया था। आवाज सुरीली और बालक का स्वयं का लिखा भजन उस समय श्रोताओं में से 5 रुपए स्वामी के पास ईनाम आया था।

स्वामी जी में देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी थी। अम्बाला में स्वामी जी का कुछ क्रान्तिकारियों से सम्पर्क हुआ। अंग्रेजी शासन के खिलाफ स्वामी जी के मन में आक्रोश और जागा। क्रान्तिकारी साथियों के साथ मिलकर बनी एक योजना के तहत सन 1878 में कानपुर जाकर सेना में भर्ती हो गए। लगभग पौने दो वर्ष तक भारतीय सेना में रहकर कुछ कारतूस और बंदूक लेकर फरार हो गए जो सब उन्होंने योजनानुसार मेरठ शहर के बाहर एक मंदिर में देश की आजादी की लड़ाई के लिए अपने क्रांतिकारी साथियों को सौंप दी।

सन 1881 में हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव बली ब्राह्मण के एक तपस्वी से सन्यास लेने की इच्छा

व्यक्त की। वेदांती साधु योगिराज ने स्वामी जी के पहलवानी शरीर को देखकर ये कह कर सन्यास की दीक्षा देने से मना कर दिया कि जवानी के जोश में लोग सन्यास ले लेते हैं बाद में व्यभिचार कर भगवा बाणे को बदनाम करते हैं। स्वामी जी ने गुरु द्वारा रखी शर्त के अनुसार स्वयं अपनी इंद्री काट कर गुरु से सन्यास ले लिया। गुरु ने इनका नाम 'आत्म प्रकाश' रखा किन्तु इंद्री छेदन जैसे भीष्म कर्म करने के कारण इन्हें 'भीष्म ब्रह्मचारी' के नाम से प्रसिद्धि मिली। सन्यास के बाद स्वामी भीष्म जी निरन्तर योग–साधना, संगीत–साधना और धार्मिक ग्रन्थों के अध्ययन में रत रहे।

सन 1886 में स्वामी जी ने महर्षि दयानन्द लिखित सत्यार्थ प्रकाश को पढ़ा जिससे न केवल इनके मन को शांति मिली अपितु मन की अनेक भ्रांतियां भी नष्ट हो गई और स्वामी दयानन्द के सच्चे अनुयाई बन गए। तदुपरांत ये समाज सुधार और देशोत्थान के कार्यों की ओर उन्मुख हुये। आगे चलकर यह स्वयं व इनके द्वारा तैयार की गई अनेकों भजन मंडलियां राष्ट्रीय आंदोलन, सामाजिक व धार्मिक कुरीतियों के उन्मूलन के कार्य में पूरे देश में आर्य समाज के वैदिक प्रचारक के रूप में काम करते रहे।

स्वामी भीष्म जी महाराज ने 1889 से 1984 तक लगभग 95 वर्ष तक आर्य समाज का अत्यंत प्रभावशाली प्रचार किया जिसमें उस समय की सामाजिक समस्याओं जैसे बाल विवाह, बाल विधवाओं का नरकीय जीवन, वृद्ध पुरुष विवाह, छुआछूत, जातिवाद और नशा आदि पर बहुत क्रान्तिकारी और असरदार काम किया। स्वामी भीष्म जी महाराज ने 250 पुस्तकें लिखी जिनमें से 135 पुस्तकें भीष्म भवन घरौंड़ा में श्री शिवकुमार आर्य के पास उपलब्ध है।

स्वामी जी ने 85 क्रान्तिकारी आर्य भजनोपदेशक शिष्य तैयार किये जिन्होंने स्वामी जी के कार्यों वैदिक धर्म के प्रचार को पूरे भारतवर्ष में प्रभावशाली ढंग से आगे बढ़ाया। आज उन शिष्यों की दूसरी, तीसरी और चौथी पीढ़ी के प्रचारक आर्य समाज के सफल उपदेशक सम्पूर्ण भारत देश व विदेशों में वैदिक धर्म का प्रचार व सामाजिक समस्याओं के उन्मूलन के क्षेत्र में काम करके देश की सेवा कर रहे हैं। वस्तुतः स्वामी भीष्म जी ने भजन मंडलियों के द्वारा सामाजिक, धार्मिक एवं स्वतन्त्रता आंदोलन के स्वरों को समस्त भारत में गुंजित करके राष्ट्रीय चेतना का एक बहुत बड़ा काम किया है।

सन 1890 से 1919 तक स्वामी भीष्म जी दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डा के सामने यमुना नदी के किनारे कुटिया बनाकर रहे। यहां रहते हुए स्वामी जी ने स्वामी श्रद्धानन्द जी के साथ मिलकर शुद्धि सभा में काम किया जिसमें ये छद्म मुस्लिम वेश में मस्जिदों में जाकर गुप्त सूचना लेते और बाद में मुस्लिम बन चुके या बनने जा रहे भटके हुए हिन्दुओं को बचाते और उन्हें पुनः वैदिक धर्म में दीक्षित करते थे। इस दौरान स्वामी भीष्म जी के अदम्य साहस और वीरता के कार्यों से स्वामी श्रद्धानन्द जी अत्यंत प्रभावित थे।

सन 1919 के मध्य से 1934 तक स्वामी भीष्म जी गाजियाबाद के निकट करेहडा गांव के जंगल में रहे। भीष्म आश्रम करेहडा में स्वामी जी की एक पाठशाला चलती थी। यह स्थान हिंडन नदी से लगता एक सुरक्षित स्थान था इसलिए स्वतन्त्रता आंदोलन के नायक, पण्डित चन्द्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह, असफाक उल्ला खान, लाल बहादुर शास्त्री, चौधरी चरण सिंह, राम चन्द्र विकल आदि अनेक बार स्वामी जी के इस आश्रम में आकर स्वामी भीष्म जी से सहायता प्राप्त करते और योजनाएं बनाते थे। आश्रम में बम बनाते समय पाठशाला के रसोईयें लंगड़े साधु का बलिदान भी हुआ था। इस स्थान पर अब स्वामी भीष्म तपस्थली एवं शहीद स्मारक बना हुआ है।

सितम्बर 1922 को स्वामी भीष्म जी ने अमृतसर में सिखों के धर्मयुद्ध में भाग लिया और घायल सिख बहादुरों की सहायता की थी। सन 1934 से 1935 तक स्वामी जी जींद के पाण्डु पिंडारा नाम के तीर्थ पर रहे।

सन 1936 में स्वामी भीष्म जी महाराज ने भीष्म भवन घरौंड़ा की स्थापना की ओर जब पूरे पंजाब में अंग्रेज सरकार ने तिरंगा झंडा लगाने पर प्रतिबंध लगा रखा था तब 1936 से 15 अगस्त 1947 तक भीष्म भवन, घरौड़ा पर अनेक बाधाओं के बाद भी तिरंगा झंडा बड़ी शान से लहराता रहा।

सन 1938 में सुभाष चन्द्र बोस के नेतृत्व में दिल्ली के कम्पनी बाग में देश के नौजवानों की एक विशाल सभा हुई। इस सम्मेलन में स्वामी भीष्म जी ने एक क्रान्तिकारी कविता सुनाई, जिसके बोल 'जवानी सफल हो कौमी किश्ती पार करने से। जवानी सफल हो सेना के तैयार करने से' को सुनकर सुभाष बाबू ने वो कविता स्वामी जी से ले

ली और कहा स्वामी जी समय बताएगा कि हम आपकी कविता को सार्थक करके दिखाएंगे।

90 के दशक में अमेरिका में समाज शास्त्रियों की गोष्ठी में एक विश्व प्रसिद्ध विद्वान डॉक्टर वेद प्रकाश जी बटुक ने स्वामी भीष्म के कार्यों पर एक निबंध पढ़ा जिसमें उन्होंने विचार प्रकट किये कि उत्तरी भारत के इस वयोवृद्ध आर्य सन्यासी की भारत की सामाजिक उन्नति में विशेष भूमिका रही है। स्वामी जी ने जनमानस में राष्ट्रीयता की भावना को भरने का सराहनीय प्रयास किया था। सन 1962 को पंजाब में मातृ भाषा हिंदी की रक्षा के लिए हिंदी रक्षा आंदोलन में स्वामी भीष्म जी नाभा जेल में रहे। सन 1966 को गौ रक्षा हेतु किये गौ रक्षा आंदोलन के दौरान स्वामी भीष्म जी महाराज दिल्ली की तिहाड़ जेल में यातनाएं सहते रहे, तिहाड़ जेल में रहते हुए ही प्रसिद्ध समाजवादी नेता जो उस समय लोकसभा में तेजतर्रार विपक्ष के नेता भी थे स्वयं पहुंचे और स्वामी भीष्म जी को विधिवत गुरु धारण किया था। 1965 में देश के तत्कालीन प्रधानमन्त्री लाल बहादुर शास्त्री ने अपने निवास पर स्वामी भीष्म जी का अभिनन्दन किया और देश के प्रति की गई उनकी सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया था। 1980 में भारत की तत्कालीन प्रधानमन्त्री इन्दिरा गांधी ने अपने निवास पर सम्मान करते हुए उनकी देश सेवा की चर्चा करते हुए कहा था कि स्वामी जी यह देश सदा आपका ऋणी रहेगा।

स्वामी जी के महान कार्यों को देखते हुए वर्ष 1981 में कुरुक्षेत्र की पावन स्थली पर विशाल स्तर पर स्वामी भीष्म अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया था जिसमें भारत के तत्कालीन गृहमन्त्री ज्ञानी जैल सिंह, अनेक केन्द्रीय मन्त्री, हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमन्त्री चौधरी भजन लाल अपने समस्त मन्त्रिमण्डल सहित, शहीद भगत सिंह के भाई सरदार कुलतार सिंह, पंजाब केसरी अखबार के संस्थापक लाला जगत नारायण, स्वामी कल्याण देव जी आदि सैकड़ों राजनैतिक, सामाजिक व धार्मिक नेता और हजारों श्रद्धालुजन समूह ने उपस्थित होकर स्वामी भीष्म जी के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए उनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया था।

वर्ष 1983 में भारत के तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह, स्वामी भीष्म जी का आशीर्वाद लेने उनके पिंडारा आश्रम पहुंचे थे। सन्यास धर्म को अलंकृत करने वाले देशभक्ति से ओतप्रोत, वीरों के प्रसंशक, प्रसिद्ध समाज सुधारक, भारतीय स्वतन्त्रता आंदोलन को पूरी तरह समर्पित आर्य उपदेशक स्वामी भीष्म जी महाराज ने 8 जनवरी, 1984 दिन रविवार को प्रातः 3 बजे भीष्म भवन, घरौंड़ा में वेद मंत्रों का सस्वर पाठ करते हुए 125 वर्ष की आयु में अपने नश्वर शरीर को त्याग दिया था।

जांगिड़ ब्राह्मण समाज के समारोह में वरिष्ठजन और प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

अजमेर। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज महासभा की 111वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जांगिड़ ब्राह्मण शाखा सभा अजमेर के तत्वावधान में जांगिड़ समारोह स्थल जांगिड़ बैंक में वरिष्ठजन, प्रतिभा सम्मान समारोह व पौषबड़ा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्हैयालाल सोलाणिया ने महासभा ध्वजारोहण कर किया। समाज के मानस मंडल के विष्णु रुलेठिया, अरुण झालुण्डिया तथा राहेश बूंदवाल ने संगीतमय सुन्दरकांड का पाठ किया। दोपहर को वरिष्ठजन तथा प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। 75वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले 23 वरिष्ठजनों व दसवीं, बाहरवीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत, अधिस्नातक, स्नातक, डिपलोमा 70 प्रतिशत एवं खेलकूद प्रतियोगिता में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाली 63 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

मंचासीन अतिथियों ने बच्चों को प्रगति और अग्रसर होने के मूल मंत्र के साथ प्रेरणादायक संदेश दिया तथा समाज एकता के बारे में अपील की

इस अवसर पर 4 प्रतिभाओं डा0 रिया शर्मा को शिशु रोग में स्वर्ण पदक प्राप्त करने, डॉ0 हीना इनाणी को केमिकल साइंस में पीएचडी उपाधी प्राप्त करने, प्रियंका शर्मा को राजस्थान महिला क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व तथा महिला आईपीएल की राजस्थान रॉयल टीम में चयन होने पर तथा अनुपमा शर्मा को एमडीएस युनिवर्सिटी में एमकॉम में सर्वाधिक 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक प्राप्त करने फलस्वरूप सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बंशी लाल रहे। विशिष्ट अतिथि मोहनलाल पाटोदिया, सतीश चंद जांगिड, सावित्री शर्मा , एमआर शर्मा ने की। शाखा सभा अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी ने अतिथियों का सम्मान किया। शाखा अध्यक्ष जगदीश प्रसाद पाखरोट ने स्वागत उद्बोधन के माध्यम से अतिथियों व समाज बन्धुओं का अभिनन्दन व स्वागत किया।

मंचासीन अतिथियों ने बच्चों को प्रगति और अग्रसर होने के मूल मंत्र के साथ प्रेरणादायक संदेश दिया तथा समाज एकता के बारे में अपील की। मुख्य अतिथि बंशी लाल ने सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। अंत में कार्यक्रम के अध्यक्ष एमआर शर्मा ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन शाखा सभा मंत्री राजेन्द्र कुमार जालोडिया ने किया।

Raebareli Road, Utrethiya, Lucknow

Bhavya Decor

Interior's HUB

MODULAR KITCHEN & WARDROBE'S

E-mail: bhavyadecor@yahoo.com , www.bhavyadecor.com

90445 00999

यूपी कैबिनेट ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना को दी मंजूरी रोजगार के लिए आवेदकों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

लखनऊ। यूपी कैबिनेट ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना को मंजूरी दे दी है। इसके तहत पारम्परिक कारीगरों व दस्तकारों को उद्यम के आधार पर कौशल विकास के लिए छह दिनी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की इस योजना में प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरी तरह नि:शुल्क व आवासीय होगा। तहसील अथवा जिला मुख्यालय पर प्रशिक्षण होगा। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को श्रम विभाग तय अर्धकुशल मजदूरी की दर से मानदेय भी देगा।

प्रशिक्षण के दौरान खान-पान की सुविधा भी नि:शुल्क दी जाएगी। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के बढ़ई, दर्जी, टोकरी बुनकर, नाई, सुनार, लोहार, कुम्हार, हलवाई, मोची जैसे पारम्परिक स्वरोजगारियों तथा हस्तशिल्पियों को प्रोत्साहन व संवर्धन के लिए सरकार यह योजना ला रही है।

प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र सहित ट्रेडवार उन्नत किस्म की टूल भी दी जाएगी। इससे पारम्परिक स्वरोजगारियों व हस्तशिल्पियों को अधिक से अधिक रोजगार के मौके मिलेंगे। सरकार के इस फैसले से प्रति वर्ष 15 हजार लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योगी सरकार ने वर्ष 2018-19 के लिए विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के क्रियान्वयन हेतु बजट में 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था किया है।

रामअवध विश्वकर्मा के गजल संग्रह का हुआ विमोचन

ग्वालियर। कविता कोई विचार मात्र नहीं है। जरूरी नहीं कि हर कविता में कवि के विचार हों, इसमें सौंदर्य भी होता है। गजल को शिल्प के पैमाने पर भी देखना चाहिए। गजल किसी देश के लिए नहीं, बल्कि सभी लोगों के लिए होती है। यह बात आगरा से आए साहित्यकार अशोक रावत ने कही। वह कला वीथिका में रामअवध विश्वकर्मा के गजल संग्रह 'भोंपू सा चिल्लाते रहिए' के विमोचन समारोह में बोल रहे थे। अध्यक्षता शकील ग्वालियरी ने की। इस मौके पर जयंती अग्रवाल, सुधीर कुशवाहा, घनश्याम भारती, साजन ग्वालियरी, राजकिशोर वाजपेयी, सत्या शुक्ला मौजूद रहीं। संचालन कादंबरी आर्य ने किया।

सच्चा इल्म

ये जग सारा अपना नहीं,
जरा आँखें खोल के देख कोई सपना तो नहीं?
किससे करें फरियाद?
हमारी किसी को आती नहीं याद...?
हर किसी को मिले खुशी संभव नहीं,
ये इल्म है सच्चा, हर किसी को आता नहीं?
अपनी बातें किसे सुनाएं?
अपने दुखड़े किसे दिखाएं?
हम कोई आसमां के फरिश्ते नहीं,
शायद इसीलिए लोग हमें अपनाते नहीं,
हमारे चेहरे को कोई पढ़े?
पढ़े तो वो फिर न हमसे लड़े?
यहाँ किसी को कमजोर समझना नहीं,
आगे-पीछे का कोई कुछ सोचता ही नहीं?
हमारे हिस्से में शाम नहीं,
तो किसी के हिस्से में सवेरा नहीं?
हमें किसी ने पहचाना नहीं,
और हमने भी कोई पहचान निकाली नहीं?
कितना निष्ठुर निकला जमाना?
जिसे हमने हृदय से अपना माना।।

लो आ गया बसंत

लो आ गया बसन्त,
मौसम में आई बहारें
कर्णप्रिय वीणा झंकारे
लो आ गया बसन्त,
फूल उठी पीली सरसों
गोरी का चंचल मन हर्षों
लो आ गया बसन्त,
पतझड़ सारा बीत गयो
पुष्प सुगंधित खिल गयो
लो आ गया बसन्त,
बंद ज्ञान चक्षु खोले
मलयसमीर अमृतघोले
लो आ गया बसन्त,
लेके सद्गुण-सुविचारे
मनाओ खुशी का त्यौहारे
लो आ गया बसन्त,
साहित्य-कला-संगीते
साहस - वीरता के गीते
लो आ गया बसन्त...

-मुकेश कुमार ऋषि वर्मा
ग्राम- रिहावली, पोस्ट- तारौली,
फतेहाबाद, आगरा-283111

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

डा0 मुकेश विश्वकर्मा
प्रदेश सचिव
अ0भा0 विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा
मो0: 9519202496

विश्वकर्मा धीमान महासंगठन का चुनाव सम्पन्न, नरेन्द्र कुमार शर्मा चुने गये अध्यक्ष

दिल्ली। विश्वकर्मा धीमान महासंगठन (पंजीकृत) का द्विवार्षिक चुनाव पिछले माह प्रधान कार्यालय एफ-255, विजय विहार फेज-1, दिल्ली-110085 में सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी आर0एल0 शर्मा ने सकुशल चुनाव सम्पन्न कराते हुये निर्वाचित कार्यकारिणी की घोषणा किया जिनके नाम इस प्रकार हैं— चेयरमैन— ब्रज मोहन शर्मा, पुष्पांजलि, (दिल्ली), वाईस चेयरमैन— पी0एन0 विश्वकर्मा, रोहिणी, (दिल्ली), अध्यक्ष- नरेन्द्र कुमार शर्मा (धीमान), पीतमपुरा, (दिल्ली), उपाध्यक्ष एवं प्रेस सचिव- दयानन्द धीमान, विकासपुरी, (दिल्ली), महासचिव- जय प्रकाश धीमान, राणापार्क, (दिल्ली), सचिव- आर0के0 शर्मा, रोहिणी, (दिल्ली), कैशियर- आशा राम धीमान, विजय विहार, (दिल्ली), संगठन सचिव- राजेश धीमान, विजय विहार, (दिल्ली), प्रचार सचिव— चेतन धीमान, विजय विहार, (दिल्ली), सदस्य- सुरेश धीमान, पीतमपुरा, (दिल्ली), सदस्य- अनिल भरद्वाज, मौजपुर, (दिल्ली), सदस्य- यशपाल धीमान, विजय विहार, (दिल्ली), सदस्य- पवन धीमान, रिठाला, (दिल्ली), सदस्य- सुभाष धीमान, राजीव नगर, (दिल्ली), सदस्य- ओम दत्त धीमान, विजय विहार, दिल्ली।

सिमरा के अमित विश्वकर्मा ने मप्र का नाम किया रोशन जायेगा आस्ट्रेलिया

भोपाल। मध्य प्रदेश के महेश्वर में हुई 6वीं राष्ट्रीय कैनोइंग सलालोम प्रतियोगिता में निवाड़ी जिले के सिमरा गांव के अमित विश्वकर्मा ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। निवाड़ी जिले के सिमरा गांव के एक गरीब परिवार में जन्मे अमित ने प्रतियोगिता में न केवल निवाड़ी-टीकमगढ़ बल्कि प्रदेश का नाम भी रोशन किया। उन्होंने 2 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक हासिल किया। 6वीं राष्ट्रीय कैनोइंग सलालोम प्रतियोगिता 10 से 13 जनवरी तक महेश्वर में हुई। जिसमें जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक, मप्र सहित कई प्रदेशों की टीम ने भाग लिया। अमित का चयन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आस्ट्रेलिया में होने वाली प्रतियोगिता में चयन हुआ है।

बचपन में छिन गया था मां का साया, पिता ने मजदूरी का पढ़ाया-

बचपन में ही अमित से मां का साया छिन जाने के बाद उनका लालन—पालन पिता बबलू विश्वकर्मा ने ही किया। अमित से बड़ी दो बहनें हैं और एक अमित से छोटा भाई है। चारों बच्चों को दैनिक मजदूरी करके बबलू विश्वकर्मा ने पढ़ाया, लिखाया और इस काबिल बनाया कि वह अपने जिले के साथ प्रदेश में अपना लोहा मनवा सकें।

अमित के अनुसार कक्षा 5वीं में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तहत फार्म डाला था। जिसमें उनका कैनोइंग के लिए चयन हुआ था। पिछले तीन सालों से दिनरात मेहनत करने के बाद अमित इस मुकाम पर पहुंचा है। पिता बबलू ने कहा कि वह काफी मेहनती है। शुरूआती दौर में अमित को मुकेश विश्वकर्मा ने कोचिंग दी जिन्हें अमित अपना आदर्श मानते हैं। अब एसके गुप्ता उनके कोच हैं। अमित के कोच मुकेश विश्वकर्मा जो स्वयं अंतर्राष्टीय खिलाड़ी और राष्ट्रीय पदक विजेता हैं। साथ ही वर्तमान में मप्र पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स टीम में प्रशिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। तथा उनके छोटे भाई महेश विश्वकर्मा तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी, प्रशिक्षक और अभी सशस्त्र सीमा बल की सेंट्रल वॉटर स्पोर्ट्स टीम के मुख्य प्रशिक्षक हैं। जो कि अमित विश्वकर्मा के लिए सबसे बड़े प्रेरणा स्त्रोत हैं। अमित ने बताया कि 26 जनवरी से महेश्वर में 1 महीने का प्रशिक्षण कैम्प आयोजित होना है। इस कैम्प में आस्ट्रेलिया में होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कैनोइंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बारीकियां सिखाई जाएंगी।

—मुकेश विश्वकर्मा

वधू चाहिये

Name	:	Ajit Vishwakarma
Father's Name	:	Sh. Ram Vilash Vishwakarma
Date of Birth	:	23 April 1992
Birth Place	:	Mumbai
Birth Time	:	04.00 AM
Height	:	5'11" (Five Feet Eleven Inch)
Complexion	:	Fair
Caste	:	Vishwakarma (Lohar)
Gotra	:	Shandilya
Qualification	:	B.Tech (C.S.)
Father's Occ.	:	SDO BSNL Lucknow
Present Address	:	8-C/530, Vrindavan Yojana-2 Raebareli Road, Lucknow
Native Place	:	Jaunpur (U.P.)
Contact	:	09415055077, 09454959077
Note	:	Longer, fair, beautiful and job priority.

कुलदीप विश्वकर्मा बने अध्यक्ष, शशांक मिश्रा महामन्त्री

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ कुण्डा इकाई का चुनाव संपन्न

प्रतापगढ़। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की तहसील इकाई कुण्डा का संगठनात्मक वार्षिक चुनाव कुण्डा स्थित तहसील परिसर सभागार में प्रान्तीय अध्यक्ष मथुरा प्रसाद धुरिया व जिलाध्यक्ष अजय पांडेय की मौजूदगी में चुनाव पर्यवेक्षक निर्वाचन अधिकारी मण्डलीय मुख्य महासचिव डा0 विजय यादव की देखरेख में सम्पन्न हुआ। कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसम्मति से निर्विरोध किया गया। जिसमें संरक्षक राम प्रसाद यादव, अध्यक्ष कुलदीप कुमार विश्वकर्मा, महामंत्री शशांक मिश्रा निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष के चार पद पर कुण्डा ब्लाक से दिलीप कुमार साहू, कालाकांकर ब्लाक से रोहित पाण्डेय, बाबागंज ब्लाक से पन्नालाल पाल व बिहार ब्लाक से रजत द्विवेदी को चुना गया। जबकि संगठन मंत्री अजय मिश्रा, उपमन्त्री प्रवीण कुमार मिश्र उर्फ धीरू, कोषाध्यक्ष इजहार अहमद शेख, आय व्यय निरीक्षक संदीप यादव, प्रांतीय प्रतिनिधि राम प्रताप पाण्डेय उर्फ गुड्डू व अमरनाथ यादव, मण्डल प्रतिनिधि कृष्ण प्रताप सिंह व आशीष मिश्रा, जिला प्रतिनिधि लोकेश कुमार मिश्र व रवि शंकर मिश्र चुने गए हैं।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुलदीप कुमार ने बताया कि पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह जल्द ही आयोजित किया जाएगा। सकुशल चुनाव सम्पन्न होने पर चुनाव अधिकारी डा0 विजय यादव ने प्रान्तीय अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष समेत सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए सहयोग के लिए सभी के प्रति धन्यवाद व आभार ज्ञापित किया। इस मौके पर प्रान्तीय पदाधिकारी विनोद कुमार मिश्रा, हरिशंकर पाण्डेय व अन्य पत्रकारगण भी मौजूद रहे।

-विशेष अनुरोध-

प्रिय बन्धुओं, सादर विश्वकर्माभिवादन!

आप सभी जानते हैं कि ''**विश्वकर्मा किरण**'' हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका प्रकाशन के 19वें वर्ष में चल रही है, जो समाज के अधिकांश समाचारों, विचारों और लेखों के साथ आप सभी के बीच एक पहचान बना चुकी है। पत्रिका ने समाज के हर छोटे-बड़े समाचारों, लेखकों के विचार, समाज के कवियों और साहित्यकारों को तवज्जो दिया है। अधिकांश पाठक और शुभचिन्तक यह अच्छी तरह जानते हैं कि समाचारपत्र अथवा पत्रिका प्रकाशन का कार्य बहुत ही कठिन है। प्रकाशन में बहुत खर्च आता है जिसका संकलन बहुत ही कठिनाई से हो पाता है, इन्हीं परिस्थितियों में कभी-कभार प्रकाशन बाधित भी हो जाता है। प्रकाशन बिना आप सभी के सहयोग के नहीं चल सकता। आप सभी से अनुरोध है कि सदस्यता के अलावा भी समय-समय पर यथासम्भव पत्रिका का आर्थिक सहयोग करते रहें जिससे प्रकाशन निर्बाध रूप से चलता रहे।

सहयोग राशि इस खाते में जमा करें-

Account Name	:	VISHWAKARMA KIRAN
Account No.	:	4504002100003269
Bank Name	:	PUNJAB NATIONAL BANK
Branch	:	SHAHGANJ, JAUNPUR (U.P.)
IFSC Code	:	PUNB0450400

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

राम नरेश शर्मा

निजी सचिव
उत्तर प्रदेश सचिवालय
लखनऊ
मो0: 9454410326

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

रमेश चन्द विश्वकर्मा

निजी सचिव
उत्तर प्रदेश सचिवालय
लखनऊ
मो0: 9454410187

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

मुकेश विश्वकर्मा

निजी सचिव
उत्तर प्रदेश सचिवालय
लखनऊ
मो0: 9454410066

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश्वरी विश्वकर्मा

अनुभाग अधिकारी
उत्तर प्रदेश सचिवालय
लखनऊ
मो0: 9415366707

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश विश्वकर्मा

समीक्षा अधिकारी
उत्तर प्रदेश सचिवालय
लखनऊ
मो0: 9454411470

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

रमेश कुमार विश्वकर्मा

अनुभाग अधिकारी
उत्तर प्रदेश सचिवालय
लखनऊ
मो0: 9454412092

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

श्याम बाबू विश्वकर्मा

समीक्षा अधिकारी
उत्तर प्रदेश सचिवालय
लखनऊ
मो0: 9454413635

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

दिनेश कुमार विश्वकर्मा

समीक्षा अधिकारी
उत्तर प्रदेश सचिवालय
लखनऊ
मो0: 9454413072

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

राम अरज विश्वकर्मा

उद्यमी एवं समाजसेवी
लखनऊ
मो0: 9415541739

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

विनोद कुमार विश्वकर्मा

समीक्षा अधिकारी
उत्तर प्रदेश सचिवालय
लखनऊ
मो0: 9454410850

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

आर्टिस्ट ललित शर्मा

स्पेशलिस्ट

कैनवास आयल, पोट्रेट, पेन्टिंग

340, व्यास कालोनी

शास्त्री नगर, जयपुर (राज0)

मो0: 9983686421

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रभुनाथ विश्वकर्मा

उद्यमी एवं समाजसेवी

श्री श्याम ट्रेडिंग कम्पनी

मालवीय रोड, देवरिया

मो0: 9696949400

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

विशोक विश्वकर्मा

पूर्वांचल प्रभारी

राष्ट्रवादी जनशक्ति पार्टी

उत्तर प्रदेश

मो0: 9453565691, 9820407909

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

दुर्गेश शर्मा

युवा समाजसेवी

लखनऊ

मो0: 9918206909

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

अरविन्द विश्वकर्मा

वरिष्ठ विपणन अधिकारी

खद्य एवं रसद विभाग

जनपद- अमेठी

मो0: 9415065203, 8004173471

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

राम विलाश विश्वकर्मा

उप मण्डलीय अभियन्ता

भारत संचार निगम लि0

लखनऊ

मो0: 9415055077

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

सन्दीप विश्वकर्मा

जिला अध्यक्ष

समाजवादी लोहिया वाहिनी

जनपद- इलाहाबाद

मो0: 9415351900, 8853908888

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीलाल विश्वकर्मा

सहायक अभियन्ता

लोक निर्माण विभाग

लखनऊ

मो0: 9450638326

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

डा0 आर0पी0 विश्वकर्मा

चिकित्साधिकारी

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

मछलीशहर, जौनपुर

मो0: 9415291401

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

गौरव विश्वकर्मा

एडवोकेट

सिविल कोर्ट, जौनपुर

मो0: 8354997704

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

वेद प्रकाश शर्मा

आर0पी0एफ0, दिल्ली

मो0: 8010111854, 7982199076

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रेमधनी विश्वकर्मा

निदेशक

रिच इण्टरनेशनल म्यूजिक कम्पनी

मुम्बई

मो0: 9323004818

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

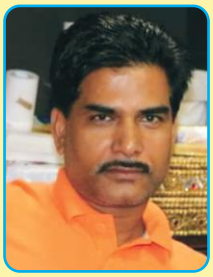

हरीश शर्मा

वरिष्ठ समाजसेवी

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

लोक जनशक्ति पार्टी (लेबर सेल)

मो0: 9312246993, 9811746993

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

अनिल एस0 विश्वकर्मा

वरिष्ठ समाजसेवी

प्रो0- वैष्णवी इन्टीरियर्स

मुम्बई

मो0: 9820438526

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

दिनेश भाई शर्मा

कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष

अ0भा0 विश्वकर्मा महासभा

फर्मः श्री सतगुरु डिसिंग वर्क्स, नवी मुम्बई

फर्मः श्री सतगुरु हार्डवेयर स्टोर, घाटकोपर (प0)

मो0: 9920996281

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेन्द्र कुमार शर्मा

एडवोकेट/वरिष्ठ उपाध्यक्ष

लखनऊ बार एसोसिएशन

लखनऊ

मो0: 9839251900, 7905057399

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

डा0 वीरेन्द्र कुमार शर्मा

सम्पादकः विज्डम वे (हि0दै0)

President- Life Care To Save, Lucknow

E-mail: luvirendra@gmail.com

मो0: 7052750777

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश विश्वकर्मा

एडवोकेट

उच्च न्यायालय, इलाहाबाद

(चेम्बर नं0 172, नया भवन)

मो0: 9415604840, 9198964287

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

मो0: 9454003721

श्याम जी विश्वकर्मा

प्रदेश सचिव

अ0भा0 विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा

जिला अध्यक्षः

समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ

जनपद- सन्तकबीरनगर

नववर्ष-2019 एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

राम प्रकाश विश्वकर्मा

खादी ग्रामोद्योग

राज्य कार्यालय, फैजाबाद रोड, लखनऊ

मो0: 9415580690

TM VEW Vishwakarma Engineering Works

ALL KIND OF NEW MACHINERY
TEXTILE MACHINES &
ALL VALUE ADDED FABRIC MACHINES MANUFACTURER

BSCIC NABCB ISO 9001 REGISTERED

Vijay R. Mistry
Mob.-9825154496

VISHWAKARMA ENGINEERING WORKS

Shearing Machine

Warr Center Cutting Machin

Warp Butta Cutting Machine

Roll Press Machine

Calendar Machine
& Bags Polish

Five Roll Calendar
& Iron Press Mac

-Office Address-

Plot No.64, Vinayak Chambers, Jawahar Road, Road No.– 4, Udhna Udhyog Nagar, Surat–394210 (Gujarat)
Factory-Plot No.B/1,73-74,Bhagwati Ind. Estate, Nr Navin Flourine Colony, Bhestan, Surat.
PHONE NO. : +91-261-2274380, CELL : +91-9825154496,
e-mail address : vijayr.mistry@yahoo.com website : http://vishwakarmaengineering.com
http://www.vishwakarmaengineeringwork.in/ http://www.vishwakarmaengineeringwork.com/
https://www.youtube.com/channel/UCdpT7D2K_DHwXGYnZ-Qo_Iw

विश्वकर्मा किरण हिन्दी साप्ताहिक
R.N.I. No.- UPHIN/2000/01157
जौनपुर, 14–21 जनवरी, 2019